राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

होली खेलते समय इन कपड़ों का ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 08 मार्च 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 77 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

गायक सिद्धू मूसेवाला के माता–पिता ने पंजाब विधानसभा परिसर के बाहर दिया धरना

चंडीगढ़। गायक सिद्धू मूसेवाला के माता–पिता ने मंगलवार को यहां पंजाब विधानसभा परिसर के बाहर, अपने बेटे के लिए न्याय की मांग करते हुए धरना दिया। सिद्धू मूसेवाला के नाम से मशहूर शुभदीप सिंह सिद्धू की 29 मई को पंजाब के मनसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके पिता भावुक बलकौर सिंह ने पत्रकारों से कहा कि उनके बेटे की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता अब भी फरार हैं। जांच एजेंसियों द्वारा कुछ भी ठोस नहीं किया गया। उन्होंने मामले की केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच कराने की भी मांग की। सिंह और उनकी पत्नी चरण कौर ने हाथ में तख्तियां लिए राज्य विधानसभा के बाहर धरना दिया। उनके साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा सहित पंजाब कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता भी मौजूद हैं। गायक के पिता ने कहा, '' हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा था इसलिए आज हम यहां आए हैं। पिछले 10 महीने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस और प्रशासन को कार्रवाई के लिए काफी समय दिया गया।'' उन्होंने कहा, '' सच्चाई यह है कि (हत्या के) मामले को दबाया जा रहा है। मुख्य गवाहों से पूछताछ नहीं की गई और कुछ भी हमारे हक में नहीं हो रहा है। इसलिए हम विधानसभा के बाहर धरना देने को मजबूर हैं।'' बलकौर सिंह ने कहा, '' जब तक राज्य विधानसभा का सत्र चलेगा, हम विरोध जताते हुए इसके बाहर बैठेंगे।'' सिंह ने पिछले महीने पंजाब के गोइंदवाल साहिब कारागार में कैदियों के बीच झड़प के दौरान मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी मनदीप सिंह उर्फ तूफान और मनमोहन सिंह उर्फ मोहना के मारे जाने का भी जिक्र किया। मामले की जांच पर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, '' न

केवल इसे प्रभावित किया गया बल्कि मामले को बंद करने की कोशिश भी की जा रही है। वर्तमान में जांच कहा तक पहुंची है?'' उन्होंने कहा, '' एक मशहूर हस्ती की हत्या से दुनियाभर में रोष था, लेकिन भारत सरकार कुछ नहीं सुन रही।'' उन्होंने पूछा, '' मामले में केवल शूटर गिरफ्तार किए गए। मुख्य साजिशकर्ता का क्या हुआ?'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह सीबीआई जांच की मांग करेंगे, सिंह ने कहा, '' यकीनन, यही होना चाहिए। अभी तक कुछ नहीं किया गया, केवल शूटर गिरफ्तार किए गए हैं.. अभी तक इस मामले में केवल पूरक चालान पेश किए गए हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं यहां इसलिए आया हूं क्योंकि कोई हमारी बात नहीं सुन रहा।'' सिंह ने कहा कि जब किसी राजनीतिक व्यक्ति की हत्या की जाती है, तो त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाता है। उन्होंने कहा, '' मैंने अपने बेटे की हत्या में शामिल लोगों की एक सूची अधिकारियों को सौंपी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर मरने को भी तैयार हूं।'' सिंह ने पूछा, ''(मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले कनाडा के गैंगस्टर) गोल्डी बरार के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है? उसके खिलाफ एक 'रेड कॉर्नर नोटिस' जारी किया गया था, लेकिन उसके बाद क्या हुआ?'' मूसेवाला के पिता ने लोकप्रिय गायक की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता के बारे में जानकारी देने वालों के लिए इनाम की भी पेशकश की। उन्होंने कहा, '' मैंने कहा है कि मैं इनामी राशि का इंतजाम करूंगा। गोल्डी बरार पर क्या दबाव है... वह विदेश में आराम से अपना जीवन जी रहा है।'' अपनी पत्नी की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा,'' हम दोनों दिल के मरीज हैं। यदि हमें जीवित रहते हुए न्याय नहीं मिला, तो इसका क्या मतलब है?'' सिंह ने आरोप लगाया कि मामले को आगे बढ़ाने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार मामले की जांच में प्रशासन का सहयोग कर रहा है, लेकिन उन्हें अभी तक कोई न्याय नहीं मिला है।

ऐसा सबक सिखाएं कि भू-माफिया कांप जाएं: सीएम योगी

गोरखपुर। भू–माफिया को लेकर सरकार का विजन साफ है। इसे लेकर वह जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही है। ऐसे में जमीन पर कब्जे की शिकायत मिलते ही संबंधित भू–माफिया को ऐसा सबक सिखाएं कि वो कांप जाएं और आगे ऐसा करने की हिम्मत न जुटा पाएं। मंगलवार को जनता दर्शन में जब भू–माफिया को लेकर कई शिकायतें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने आईं तो उन्होंने अधिकारियों को ये निर्देश दिया। कहा कि ऐसे मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने 500 लोगों की समस्या सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक प्रभावी कार्रवाई

का निर्देश दिया। जमीन के आपसी विवाद के कई मामले आने पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वह दोनों पक्ष को आमने–सामने बैठाकर मामले का समाधान निकालें। विधिक कार्यवाही भी सुनिश्चित करें। एक–एक व्यक्ति के पास मुख्यमंत्री खुद गए और ध्यानपूर्वक उनकी समस्या सुनी। प्रार्थनापत्र लेकर अधिकारियों को सौंपा और जल्द से जल्द जरूरी कार्यवाही का निर्देश दिया। दूसरे जिलों की शिकायतें को उन जिलों के अफसरों को भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, आइजी जे. रवींदर गौड़, एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर आदि मौजूद रहे। राजस्व मामलों में लें पुलिस बल का साथः जनता दर्शन में बड़ी संख्या में राजस्व से जुड़ी समस्याओं के सामने आने पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वह इसका निस्तारण हर हाल में तहसील स्तर पर सुनिश्चित करें। जरूरत पड़ने पर पुलिस बल का भी साथ लें।

इसके लिए तब तक प्रयास करें, जब तक दोनों पक्ष संतुष्ट न हो जाएं।

मनीष सिसोदिया के इस्तीफे के बाद आतिशी और सौरभ भारद्वाज बने दिल्ली सरकार में मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्रालय ने भी दोनों के नामों को मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सलाह पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का इस्तीफा स्वीकार किया है। इसके साथ ही दोनों के इस्तीफे के बाद पार्टी ने आतिशी और सौरभ को बड़ी जिम्मेदारी दे दी है। वहीं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के पदों की जिम्मेदारी को अब तक मंत्री राज कुमार आनंद और कैलाश गहलोत संभाल रहे थे। कैलाश गहलोत को वित्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी और सौरभ भारद्वाज को दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री नियुक्त कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद दोनों की कैबिनेट में नियुक्ति करने के लिए उपराज्यपाल को नाम भेजे थे। इस संबंध में गृह

जानें कौन हैं आतिशी और सौरभ

बता दें कि सौरभ भारद्वार वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता है। अब ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ को कैबिनेट मंत्री का पद सौंपा गया है। इससे पहले वो दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष रह चुके है। वो आम आदमी पार्टी के पहले कार्यकाल में भी मंत्री पद संभाल चुके है। वहीं आतिशी कालकाजी से विधायक है। वो मनीष सिसोदिया की शिक्षा टीम की अहम सदस्य है। पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 2019 में उन्होंने लोकसभा चुनाव में भी अपनी किस्मत आजमाई थी। हालांकि इन चुनावों में उन्हें भाजपा उम्मीदवार और पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर से हार का सामना करना पड़ा था। बता दें कि मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में जेल में बंद है। उन्हें सीबीआई की टीम ने 26 फरवरी को आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। वहीं सत्येंद्र जैन को प्रवर्तन निदेशालय ने वर्ष 2022 में मई के महीने में धनशोदन के मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वो तिहाड़ जेल में है।

होली के दिन अपराह्न ढाई बजे तक बंद रहेगी लखनऊ मेट्रो रेल सेवा

लखनऊ। होली के दिन बुधवार को लखनऊ मेट्रो रेल सेवा अपराह्न ढाई बजे तक बंद रहेगी। लखनऊ मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बुधवार को होली के दिन मेट्रो रेल सेवा अपराह्न दो बजकर 30 मिनट तक बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि ढाई बजे के बाद यह सेवा दोनों टर्मिनल चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा मेट्रो स्टेशन और मुंशी पुलिया मेट्रो स्टेशन से शुरू होगी तथा सामान्य दिनों की तरह रात 10 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

अवकाश सूचना

होली के अवसर पर दैनिक बुद्ध का संदेश कार्यालय में आज अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शुक्रवार 10 मार्च 2023 को प्रकाशित होगा।

–सम्पादक

लंदन में राहुल गांधी ने फिर कर दिया भारत के सदन का अपमान, बयान में कही विवादास्पद बातें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों विदेशों में भारत लगातार विवादास्पद बयान देते जा रहे है। राहुल गांधी के इन बयानों को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में राहुल गांधी के संबोधन को लेकर देश की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। इसी बीच राहुल गांधी ने लंदन में फिर से नया बयान दिया है जिसके बाद फिर हंगामा होने के आसार है। राहुल गांधी ने लंदन में भारत का फिर से अपमान किया है, जिसके बाद आसार है कि विवाद बढ़ सकता है। इस बार राहुल गांधी ने भारतीय सदन को लेकर विवादास्पद बोल बोले है। राहुल गांधी ने ये बयान विपक्षी लेबर पार्टी के भारतीय मूल के सांसद वीरेंद्र शर्मा की तरफ से हाउस ऑफ कॉमन्स ग्रांड कमेटी रूम में आयोजित समारोह में वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने ये बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में सदन के अंदर विपक्षी दलों के नेताओं के माइक्रोफोन बंद कर दिए जाते है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के इन बयानों के बाद बीजेपी इस मामले पर हंगामा खड़ा कर सकती है। जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी इस कार्यक्रम के दौरान भारत जोड़ो यात्रा के अपने अनुभवों को साझा कर रहे थे। इस दौरान उनका माइक्रोफोन बंद हो गया। तभी उन्होंने कहा कि हमारे यहां माइक खराब नहीं है, वो काम कर रहे है। फिर भी उन माइकों का उपयोग नहीं हो सकता है। मैं जब सदन में अपनी बात रखता हूं तो वहां कई बार ऐसा हुआ है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत में लगातार विपक्षी दलों का दमन किया जा रहा है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दिया था विवादास्पद बयान

राहुल गांधी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से ही केंद्र सरकार पर जासूसी कराने का आरोप लगा दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने भारतीय लोकतंत्र को लेकर भी कई बड़ी बातें कही थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें कैंब्रिज विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया है और निराशा जताते हुए कहा कि भारतीय राजनेता भारत के विश्वविद्यालयों में यूं खुलकर अपने विचार नहीं रख सकते हैं।

माफिया मुख्तार अंसारी के करीबियों के घर पर चलाया गया बुल्डोजर

लखनऊ। बांदा जिले में माफिया राजनेता मुख्तार अंसारी के दो मददगारों द्वारा कराये गये अवैध निर्माण को मंगलवार को बुल्डोजर चलाकर ढहा दिया गया है। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने मंगलवार को बताया कि माफिया राजनेता मुख्तार अंसारी की मदद करने वाले बांदा शहर कोतवाली क्षेत्र के अलीगंज निवासी रफीककृउसकृसमद और बांदा नगर के जिला परिषद चौराहे के निवासी इख्तिखार अहमद के मकानों को नक्शा पास नहीं होने और शर्तों का उल्लंघन करने के चलते बुल्डोजर चलाकर ढहा दिया गया। उन्होंने बताया कि रफीककृउसकृसमद माफिया मुख्तार अंसारी को जरूरी चीजें उपलब्ध कराता था जबकि अहमद उसके परिजन को ठहरने की सुविधा देता था। दोनों के घर से लाइसेंसी डबल बैरल गन और मान्य सीमा से ज्यादा कारतूस बरामद हुए हैं। इस बारे में लाइसेंस के निरस्तीकरण के लिये भी रिपोर्ट भेजी जा रही है। कुमार ने बताया कि रफीककृउसकृसमद के घर से सात लाख रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। इस संबंध में कार्यवाही के लिये आयकर विभाग से पत्राचार किया जा रहा है।

ओडिशा अराजकता की ओर बढ़ रहा : धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर कानून–व्यवस्था बनाए रखने में ''नाकाम'' रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस ''नाकामी'' के कारण राज्य ''अराजकता'' की ओर बढ़ रहा है। बीजद के सचिव (संगठन) पी पी दास ने प्रधान के आरोपों को खारिज करते हुए ट्वीट किया, ''आपका (भाजपा का) नेता प्रतिपक्ष आदतन अपराधी है और पार्टी के युवा मोर्चा का अध्यक्ष हत्या के आरोप का सामना कर रहा है। इन नेताओं का समर्थन करके आप क्या संदेश देना चाहते हैं?'' केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने सोमवार को आरोप लगाया कि ओडिशा में पुलिस महानिदेशक सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आपका (मुख्यमंत्री का) रावण जैसा अहंकार लोकतंत्र में टिकेगा नहीं। विरोध कर रहे युवा मोर्चा और एबीवीपी सदस्यों को धारा–307 (हत्या का प्रयास) के तहत जेल भेज दिया गया है।'' इससे पहले, विपक्ष के नेता जयनारायण मिश्रा की अगुवाई में भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने ओडिशा के राज्यपाल गणेशी लाल से मुलाकात की थी और 28 फरवरी को भाजपा की युवा इकाई की एक रैली पर पुलिस की कथित ज्यादती के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

बलिया के संत रविदास मंदिर में आगजनी : पांच लोगों पर मुकदमा, दो हिरासत में

बलिया। जिले के चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के मिर्ची खुर्द गांव में संत रविदास मंदिर में आगजनी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर उनमें से दो को हिरासत में लिया है। उप जिलाधिकारी सदर प्रशांत नायक ने संवाददाताओं को बताया कि चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के मिर्ची खुर्द गांव में संत रविदास की मूर्ति रखी थी। रात में किसी वक्त उस मूर्ति और छप्पर को जला दिया गया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) अशोक मिश्र ने बताया कि इस मामले में कुछ ग्रामीणों की तहरीर पर गांव के ही रहने वाले राजेश, आदित्य, रवींद्र, जानकी और मुन्ना नामक व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मंदिर में संत रविदास की नई प्रतिमा स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस की तैनाती की गई है। फिलहाल पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। स्थिति नियंत्रण में है।

'अगर सब आग लिखेंगे तो पानी कौन लिखेगा'

–जनवादी लेखक संघ ने किया कवि गोष्ठी एवं शेरी नशिस्त का आयोजन

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ, फैजाबाद के तत्वावधान में सरयू विहार कॉलोनी स्थित जलेस कार्यालय में एक कवि गोष्ठी एवं शेरी नशिस्त का आयोजन किया गया। साझा संस्कृति और गंगा–जमुनी तहजीब पर केन्द्रित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्दू के मशहूर तनकीदनिगार मो. जफर साहब ने की, मुख्य अतिथि के रूप में फैजाबाद के बड़े शायर और फिल्मी गीतकार मरहूम अब्दुल राजिक खाँ के साहबजादे मो. हाशिम खान थे और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि आशाराम जागरथ मौजूद थे। गोष्ठी और नशिस्त का संचालन शायर और जनवादी लेखक संघ के सदस्य मुजम्मिल फिदा ने किया। इस कार्यक्रम का संयोजन जलेस के सदस्य सत्यभान सिंह 'जनवादी' द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कवियों/शायरों द्वारा अपनी कविता, नज्म और अशआर की प्रस्तुति की गयी। मशहूर शायर इल्तिफात माहिर ने सुनाया 'अगर सब आग लिक्खेंगे तो पानी कौन लिक्खेगा', वहीं शायर मो. शफीक का कलाम था कि 'आग में जलना ही मुकद्दर था, गरचे पानी बहुत मयस्सर था'। नशिस्त को परवान चढ़ाते हुए हाफिज नदीम ने सुनाया कि 'इक समुन्दर कह रहा है मुझको पानी चाहिए'। निजामत कर रहे मुजम्मिल फिदा ने पेश किया कि 'वह भी जान देते हैं, हम भी फिदा हैं उनपर', वहीं इशरत फैजाबादी का कहना था कि 'ढले न रात सितारे अभी क्याम करें'। हिन्दी कवि नीरज सिन्हा 'नीर' ने अपनी कविता प्रस्तुत की, 'संसद में जितने नेता हैं, सबके सब हैं इच्छाधारी' और इसी जमीन पर याराजी बेदार ने पढ़ा कि 'यह सियासी दूध है कुछ देर में फट जाएगा'। इसी सिलसिले में वरिष्ठ शायर सलाम जाफरी ने पढ़ा कि 'एक दो सांप मार भी डालें, सारा माहौल तो लुटेरा है। कार्यक्रम में उपस्थित कवि आशाराम जागरथ ने अपनी कविता 'कविता कलाविहीन' और 'तू मैं बन जा' के पाठ से श्रोताओं को विचार–विह्वल कर दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ आलोचक–चिंतक और कवि आर. डी. आनन्द ने भी अपनी रचना प्रस्तुत की। इस अवसर पर १६ मार्च को प्रस्तावित आगामी आयोजन 'जनवादी साहित्य चौपाल' के सम्बंध में भी विस्तृत विचार विमर्श हुआ और इल्तिफात माहिर, मो. शफीक और इशरत फैज्जाबादी के रूप में नये सदस्यों ने जनवादी लेखक संघ की सदस्यता भी ग्रहण की। गोष्ठी के अंत में उपस्थित कवियों, शायरों और श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन जनवादी लेखक संघ, फैजाबाद के सचिव डॉ. विशाल श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुमकुम भाग्य, रामदुलारे यादव, धीरज द्विवेदी, आनंद सिंह अन्नू, महावीर सहित कई साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

स्वदेश कन्या विवाह अनुदान समिति का गठन

–गरीब कन्याओं के विवाह में आवश्यक सामग्री वितरण करेगा स्वदेश संस्थान

अयोध्या। गरीब कन्याओं के विवाह में आवश्यक सामग्री वितरण किए जाने के उद्देश्य से स्वदेश संस्थान भारत के तत्वावधान में सागर कला भवन अयोध्या में अयोजित संगोष्ठी बैठक सभा में होली के पूर्व संध्या पर स्वदेश कन्या विवाह अनुदान समिति का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें मुख्य संरक्षक के लिए समाजसेवी राजेश चौबे, संरक्षक हेतु चित्रकार एस. बी. सागर प्रजापति, मुख्य संयोजक हेतु गोण्डा जिले के राज्य शिक्षक पुरस्कृत सुनील कुमार आनंद, संयोजक हेतु समाजसेवी विजय वर्मा, अध्यक्ष हेतु समाजसेविका प्रतिभा यादव तथा सदस्यों में अरूण यादव, अनुराग साहू, राम आशीष प्रजापति, पवन कुमार, वन्दना शाह, पिंकी यादव, प्रिया मौर्या को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष प्रतिभा यादव ने कहा कि समाज में अभी भी ऐसे बहुत गरीब परिवार हैं जो अपनी बेटियों की शादी की जिम्मेदारियों का निर्वहन बहुत ही मुश्किल व कठिनाई से कर पाते हैं जिसके लिए उनका परिवार कर्जदार भी हो जाता है, इन्हीं सब समस्याओं के समाधान के लिए इस समिति का गठन किया जा रहा है। वहीं इसके संरक्षक एस. बी. सागर प्रजापति ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को एकजुट होकर तन मन धन और अपने प्रयास से इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए और यदि किसी के आसपास किसी गरीब कन्याओं का विवाह हो रहा है तो हमें सूचित करें और फिर हम सभी उस परिवार का यथासंभव सहयोग करने का प्रयास करेंगे। अभी यह समिति अयोध्या से शुरूवात होकर, गोण्डा, सुल्तानपुर और आसपास के जिलों में काम करेगी फिर ध्ीरे धीरे यह प्रदेश स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय स्तर पर भी एक व्यापक कमेटी का गठन किया जाएगा। जिससे स्वदेश की बेटियों का जीवन और परिवार खुशहाल हो सके। मुख्य संरक्षक श्री राजेश चौबे ने भी ऐसे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम भी पूर्ण निष्ठा के साथ इससे जुड़कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और यह वास्तव राष्ट्रहित में सराहनीय कार्य है। इस समिति से अभी और भी लोगों को जोड़ा जाएगा। जो साथी किसी कारणवश बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे उनसे ऑनलाइन मीटिंग करके इन समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव लिए गए। बैठक के बाद निर्वाचित पदाध्किारियों एवं सदस्यों द्वारा गुलाल अबीर लगाकर होली मनाई गई तथा इस मिशन को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य करने तथा होली त्योहार के लिए एक दूसरे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी गई।

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना: प्रो. प्रतिभा गोयल

–अविवि में डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वलिटी विषय पर वेबिनार का आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ''डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वलिटी'' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिक्षित है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कर रही हैं और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। इनमें तमाम उपलब्धियां होने के बावजूद दूर–दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी महिलाएं कुपोषण का शिकार है। समाज में अभी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगाने के लिए अभी भी बहुत जरूरत है। इसकी शुरुआत सभी को अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जाग्रत करने की जरूरत है। कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज लोगों को यह बताने की जरूरत है कि आज की बालिकाएं कल की माताएं हैं। यदि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस० मौर्या ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत जयशंकर प्रसाद की पंक्तियों से की जिसमें नारी की महत्ता को स्पष्ट किया गया है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्यन केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जेंडर इक्वलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में ऐसा माना जाता है कि बहुत से ऐसे कार्य है जो केवल पुरुषों के द्वारा ही संपन्न किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह की सोच को खत्म करना होगा। उन्होंने बताया कि मोबाइल ओनरशिप में पुरुषों की 79 प्रतिशत भागीदारी है। जिसमें महिलाओं की 63 प्रतिशत भागीदारी यह बताता है कि महिलाओं को अभी और जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम में छात्र अधिष्ठाता कल्याण एवं अध्यक्ष एक्टिविटी क्लब प्रो. नीलम पाठक ने स्वागत उद्बोधन दिया। महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो. की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्नेहा पटेल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। तकनीकी सहयोग इंजीनियर संजय चौहान, डॉ. नितेश दीक्षित, डॉ. आशीष कुमार पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सजय चौधरी, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ. निहारिका सिंह, सुश्री गायत्री वर्मा, डॉ. मनीषा यादव, ई. निधि प्रसाद, डॉ. आरएन पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्राएं ऑनलाइन जुड़े रहे।

अवध में होली खेले रघुबीरा.

अयोध्या। होली महोत्सव का कार्यक्रम प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के द्वारा बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने नटवर नंद किशोर ,होली खेलन आयो श्याम ,अरे जा रे हट नटखट ,होली आई होली आई ,होली के दिन दिल खिल जाते हैं ,सा रा रा रा जोगीरा आदि विभिन्न होली के गानों पर बच्चों ने नृत्य किया और अबीर गुलाल खेलकर खूब मस्ती की। कार्यक्रम के अंत में सभी को मिठाई भी खिलाई गई। उक्त अवसर पर प्राचार्य संगीता यादव ,शिक्षक अनीता सोनकर ,पूनम प्रजापति ,अर्चना पाठक ,निशा निषाद ,नयनसी तिवारी ,आशीष पाठक ,संदीप यादव ,संजय कुमार के साथ–साथ डॉक्टर रानी अवस्थी , निशा अवस्थी ,निशु अवस्थी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पूनम प्रजापति ने किया। डॉक्टर रानी अवस्थी ने बच्चों को बताया कि होली क्यों मनाई जाती है तथा हमें होली में लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहिए होली हमे सभी बुराई भूलकर प्रेम से रहना सिखाती है। हमें होली में नशे का प्रयोग नहीं करना चाहिए। बुराई पर भलाई की जीत ही होली है।

होली के हुड़दंग में डूबे अधिवक्ता

अयोध्या। बार एसोसिएशन के तत्वाधान में अधिवक्ताओं द्वारा कचहरी परिसर में जमकर होली खेली गई एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की बधाइयां दी, इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह मंत्री सूर्य नारायण सिंह उपाध्यक्ष महेंद्र पांडेय, अधिवक्ता मनीष पांडेय, अधिवक्ता राजीव शुक्ला, अधिवक्ता धनुष जी श्रीवास्तव, अधिवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव अधिवक्ता विपिन मिश्रा, अधिवक्ता रविंद्र पांडेय, अधिवक्ता सौरभ मिश्रा ,विनोद उपाध्याय, मनोज सिंह, राघवेंद्र त्रिपाठी, रजनीकांत त्रिपाठी दिनेश सिंह, चंद्र भान सिंह, जितेंद्र श्रीवास्तव ,सोमनाथ त्रिपाठी ,विश्वनाथ त्रिपाठी, वीके शर्मा शैलेंद्र त्रिपाठी, के के विश्वकर्मा, रघुवंश वर्मा ,अधिवक्ता हनुमान शरण सिंह, अधिवक्ता हिमांशु त्रिपाठी ,राजेश श्रीवास्तव, सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। जिला मुख्यालय पर राष्ट्रीय समाज पार्टी के तत्वाध्ाान में अधिवक्ता उमेश पाल की हत्या के विरोध में प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से प्रदेश महा सचिव रमाशंकर पाल के नेतृत्व में दिया गया । इस दौरान उन्होंने ने कहा कि प्रयागराज में स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग तथा बमबारी करते हुए दहशतगर्दी में अधिवक्ता उमेश पाल की हत्या कर दी तथा उमेश पाल की सुरक्षा में शासकीय कर्तव्य निभाते हुए संदीप निषाद व राघवेंद्र सिंह की भी हत्या कर दी गयी । पार्टी मांग करती है कि दोषियों को गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित कर कठोर से कठोर सजा दिया जाय ताकि आने वाले समय में व्यक्ति इस प्रकार का कार्य न करें और लोगों के लिए एक मिसाल बन जाये तथा कार्यकर्ताओं ने मांग किया कि तथा मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक–एक करोड़ रूपये मदद दिया जाये और उन सभी लोगों के परिवार को सरकारी नौकरी दिया जाये साथ ही परिवार वालों को सुरक्षा मुहैया कराई जाये । चंद्रमणि पांडे, अध्िावक्ता मंच जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय बहादुर पाल ,चिकित्सक मंच जिला अध्यक्ष डॉ राधेश्याम पाल, विधानसभा अध्यक्ष मड़ियाहूं राजेश्वर पाल, रामजीत पाल इत्यादि लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया होली

जौनपुर। प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के बच्चों ने खंड शिक्षा अध्िाकारी आनंद प्रकाश सिंह को अपने बीच पाकर उनके साथ व विद्यालय के शिक्षकों के साथ जम कर होली खेले। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालय बथुआवर में भी बच्चों ने आपस मे और शिक्षकों के संग होली खेली। इस दौरान बीइओ ने कहा कि रंगो के इस त्योहार को बच्चों के बीच मनाने का अनुभव अलग ही है। बच्चों से उन्होंने कहा कि होली पूरे देश का एकमात्र ऐसा त्योहार है जो समृद्धि साहस और सौम्यता का त्योहार है जिसमें सामाजिक भेदभाव को दरकिनार करके लोग अपनत्व के भाव से एक दूसरे को रंग लगाते है और पूरे जीवन के मंगलमय होने की कामना करते है । विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि रंगों के इस त्योहार को हर्षोल्लास के मनाए और आपस मे लड़ाई झगड़े न करके आपसी समरसता बनाये यही होली के त्यौहार का सबसे बड़ा संदेश है।पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि बच्चों के बीच इस तरह के आयोजन से बच्चों की मुखरता बढ़ती है और बच्चों में प्रेम समरसता बढ़ती है तथा भेदभाव डोर होता है।इस अवसर पर मनोज कुमार श्यामधर नेहा जायसवाल मंजू जैसवार आराधना उपाध्याय गजाला बानो माधुरी सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालय बथुआवर में भी बच्चों ने आपस मे और शिक्षकों संग जमकर होली खेली। प्राध्यापिका संयुक्ता सिंह ने कहा कि ये आपसी भाईचारा का त्यौहार है घर पर सौहार्दपूर्ण तरीके से आप लोग मनाए। इस अवसर पर रीनू देवी आशा देवी शुभम पाल सुषमा यादव राजकुमारी देवी उपस्थित रही।

श्रवण जायसवाल फिर बनाये गये जिलाध्यक्ष

जौनपुर। व्यापार मण्डल की जिला इकाई के चुनाव हेतु बैठक व्यापारी नेता रमेश बरनवाल के जगदीशपुर स्थित आवास पर हुई। इस मौके पर जिला संगठन का पुनर्गठन किया गया जहां सर्वसम्मति से श्रवण जायसवाल जिलाध्यक्ष एवं रमेश बरनवाल महामंत्री चुना गया। साथ ही 6 जिला उपाध्यक्ष का चुनाव हुआ जिसमें पवन जायसवाल, आशुतोष जायसवाल, पप्पू माली, अमर बहादुर सेठ, जमाल बासित खान, दिलीप तिवारी हैं। वहीं दीनू मौर्य, जगमंदिर निषाद, उमेश जायसवाल, श्याम सुंदर मिंगलानी, अमर बहादुर यादव मंत्री चुने गये। साथ ही संजय कनौजिया, इरफान मंसूरी, राजेश गुप्ता, आमिर, संकेत साहू, महमूदूल उल हसन, संतोष अग्रहरी, अनिल जायसवाल उप मंत्री चुने गये। संगठन मंत्री सुभाष गुप्ता, प्रवक्ता सुरेंद्र जायसवाल, मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव को बनाया गया।

फैमिली आईडी–एक परिवार एक पहचान का प्रशिक्षण

जौनपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में सभी उपजिलाधिकारियों तथा सभी खंड विकास अध्िाकारियों को "फैमिली आईडी–एक परिवार, एक पहचान योजना" के क्रियान्वयन के लिए ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर प्रतीक उपाध्याय द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने बताया कि फैमिली आईडी का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को शत–प्रतिशत आच्छादित करना, डुप्लीकेट या फर्जी लाभार्थियों को हटाना, छूटे हुए लाभार्थियों और जरूरतमंद परिवारों की प्राथमिकता के आधार पर पहचान, सरकार की सभी योजनाओं का संतृप्तीकरण एवं लाभों के लक्षित वितरण के लिए सभी विभागों का एकीकरण करना हैं। उन्होंने बताया कि फैमिली आईडी प्रत्येक परिवार के लिए 12 अंको की एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसमें परिवार के सदस्यों का विवरण दिया होगा। फैमिली आईडी डेटाबेस योजनाओं में पात्रता निर्धारित करने तथा लाभ से वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिए केन्द्रीय भण्डार के रूप में कार्य करेंगा। फैमिली आईडी एक स्वैच्छिक सेवा है, केवल वे परिवार जो उत्तर प्रदेशध्केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ प्राप्त कर रहें है या लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें पंजीकरण कराने की आवश्यकता हो सकतीं हैं। उन परिवारों का फैमिली आईडी कार्ड बनाया जाना है, जो राशन कार्ड ध्ारक नहीं है। बताया कि आवेदक द्वारा विभिन्न चरणों में स्वयं या जनसेवा केंद्र के माध्यम से इन प्रक्रियाओं के तहत बेवसाइट पर पंजीकरण किया जा सकता है। ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर द्वारा पंजीकरण के पश्चात जारीकर्ता अधिकारियों तथा सत्यापनकर्ता अधिकारियों से सम्बन्धित ई– डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से सभी प्रक्रियाओं को पावर पॉइंट्स प्रेजेंटेशन एवं पोर्टल पर लाइव प्रदर्शित करते हुए विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उनकी जिज्ञासों का उत्तर भी दिया गया। समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

रात 10 बजे के बाद नहीं बजना चाहिए डीजे

जौनपुर। कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा के नेतृत्व में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें होली व सब्बेरात के आगामी त्यौहार को लेकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था को सौहार्द पूर्ण बनाये रखने के साथ ही शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर लोगों से अपील किया गया। क्षेत्राधिकारी गौरव शर्मा ने डीजे संचालक को ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा की डीजे पर अश्लील गाना व और हम व हमारी पुलिस फोर्स रात में गश्त करती रहेगी जिसमे किसी डीजे संचालक द्वारा रात में डीजे बजाते हुए पाया गया तो तुरंत थाने पर डीजे लाकर सीज कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि होलिका दहन व होली को देखते हुए किसी भी प्रकार के अराजक तत्वों द्वारा अगर समस्या उत्पन्न होती हैं तो आप लोग तुरंत पुलिस को सूचित करे। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा, अपराध निरीक्षक दिग्विजय सिंह, उपनिरीक्षक अटल बिहारी मिश्रा, आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार पिता पुत्र घायल

महोबा। ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इसके कारण बाइक में सवार होकर जा रहे पिता पुत्र घायल हो गए और उनका झांसी में उपचार चल रहा है। घायल के भाई की तहरीर पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ धारा 279, 337, 338, 177 के तहत मामला दर्ज किया है। चरखारी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रिवई निवासी रामनारायण पुत्र बल्देव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके बड़े भाई ग्राम से महोबा अपने पुत्र दुष्यंत के साथ बाइक से जा रहे थे। रास्ते में महोबा के झलकारीबाई तिराहा से महाराजा ढाबा के पास पीछे से आ रहे ट्रैक्टर चालक नंदू कुशवाहा निवासी पचहरा ने तेजी और लापरवाही से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग बाइक से गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़कर इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन यहां से उन्हें झांसी मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक नंदू कुशवाहा के खिलाफ धारा 279, 337, 338, 177 के तहत मामला दर्ज किया है।

माताओं बहनों का आध्यात्मिक विकास भी अत्यंत आवश्यक

महोबा। महोबा सेवाकेंद्र पर नारी शक्ति नवयुग की ध्वजा वाहक है कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुधा बहन, चरखारी उपसेवा केंद्र प्रभारी बीके जयदेवी बहन, बीके सुदामा, बीके रागिनी, बीके रुपाली एवं बीके साधना और भाई बहनें मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में बीके सुदामा बहन ने विद्यालय के परिचय में बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था की सहयोगी शाखा (आरईआरएफ) जिसके अंतर्गत 20 प्रभाग बनायें गये है। जिसमें महिला प्रभाग के अन्तर्गत ये कार्यक्रम आयोजित किया है । बीके जयदेवी बहन ने कहा कि एक माता ही है जो राष्ट्र को चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्व के निर्माण में निमित्त बनती हैं इसलिए सर्वप्रथम माताओं बहनों को सामाजिक मानसिक व शारीरिक विकास के साथ–साथ उनका आध्यात्मिक विकास भी अत्यंत आवश्यक है।

ब्रम्हाकुमारी सुधा बहन ने कहां आप माताएं बहने दुर्गा सरस्वती, काली, संतोषी, लक्ष्मी है जैसा समय परिस्थिति हो हमें परमात्मा शक्तियों को प्राप्त करके उस परिस्थिति अनुसार व्यवहार में आना चाहिए। बीके रागनी बहन ने अष्ट शक्तियों का वर्णन करते हुए बताया हमें माताओं को विशेष सहनशक्ति वरदान में प्राप्त है जिससे वह जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में सहजी पार कर लेती है और सब कुछ संभाल लेती है। रूपाली बहन ने बताया हम इसलिए संतान अपने चेहरे से और चलन से परमात्मा को प्रत्यक्ष करें सच्चे शिव की शक्ति समस्त संसार में प्रत्यक्ष करें।साधना बहन ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे व्यवहारिक जीवन में हम देखते हैं आज की समाज की दशा की कन्या और माताओं को अनेक स्थानों पर उन्हें बार–बार रिलायंस कराते हैं। कार्यक्रम के अंत में माताओं बहनों को ईश्वरीय प्रसाद और आत्मिक स्मृति की तिलक देते हुए विदाई हुई और कार्यक्रम का समापन हुआ।

विद्यालय में जमकर उड़े अबीर गुलाल

अयोध्या। गायत्री पब्लिक स्कूल रेवतीगंज में होली का त्यौहार हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होली के त्यौहार के अवकाश से पूर्व विद्यालय के बच्चों और अध्यापकों ने अबीर गुलाल के साथ जमकर होली खेलने के साथ–साथ एक दूसरे से गले मिलकर अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित की। प्रबंधक उमाशंकर शुक्ल ने बच्चों को अपने अभिभावकों की देखरेख में होली का पर्व मनाने और किसी भी तरह के विवाद से दूर रहने के साथ अपने से बड़ों और बुजुर्गों का विशेष सम्मान करने के अलावा उनके सानिध्य में ही होली पर्व मनाने की नसीहत दी। पूरा कार्यक्रम प्रशासनिक अधिकारी प्रभा शंकर शुक्ल के दिशा निर्देशन और प्रधानाचार्य शिखा दूबे के साथ विद्यालय के अध्यापक और अध्यापिकाओं की देखरेख में संपन्न हुआ। उप प्रबंधक रमाशंकर शुक्ल ने सभी बच्चों को होली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

अर्ध सैनिक बल के साथ पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

गोसाईगंज–अयोध्या। होली त्योहार के मद्देनजर अर्द्धध सैनिक बल के जवानों संग पुलिस ने पैदल मार्च किया। लोगों से होली व शब–ए–बरात त्योहार पर किसी प्रकार का उपद्रव न करने की अपील की कार्रवाई को भी चेताया। सीओ सदर डॉ राजेश तिवारी व थाना महाराजगंज कोतवाली गोसाईगंज चौकी महबूबगंज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अर्द्धध सैनिक बल के जवानों को साथ लेकर पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने रास्ते में जगह जगह लोगों से होली तथा शब–ए–बारात त्योहार प्यार व सद्भाव से मनाने की अपील की। सीओ सदर थाना प्रभारी ने पैदल गश्त के दौरान लोगों से कहा कि किसी से जबरदस्ती होली नहीं खेलनी चाहिए। होली का त्योहार प्यार का प्रतीक है तो उस तरीके से ही त्योहार का आनंद लें। हिदायत देते हुए कहा कि अगर कोई त्योहार को प्रभावित करने का प्रयास करेगा तो आरोपित पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी सूरत में आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा। पूरे नगर का भ्रमण कर फोर्स वापस कोतवाली पर पहुंची। जवानों ने यह एहसास दिलाया कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन हमेशा तैयार हैं। थाना प्रभारी अक्षय कुमार ने बताया कि होली पर्व पर किसी भी प्रकार की दुर्व्यवस्था व अमन शांति में खलल डालने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने किया होलिका का पूजन

अयोध्या। नाका हनुमानगढ़ी स्थित होलिका में महिलाओं ने होली का पूजन किया। नाका और आसपास क्षेत्र की महिलाओं ने आज सुबह से ही निर्जला व्रत रखकर होलिका का पूजन अर्चन किया वरिष्ठ समाजसेवी का रत्ना जयसवाल जायसवाल ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज महिलाओं ने पुत्र की दीर्घायु के लिए होली का उपवास रखा और पुष्प, अक्षत, मिष्ठान से होलीका का पूजन किया। पूजन के बाद महिलाओं ने होलीका की परिक्रमा लगाकर अपने पुत्र के दीर्घायु होने की कामना की पूजा मैं सम्मिलित श्यामा शर्मा नैंसी जायसवाल सुशीला देवी मौजूद रहे।

गरीब से गरीब व्यक्ति दवा के आभाव मे न रहेः सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार क्षेत्र के उपकेंद्र सजनी मे जन औषधि दिवस का आयोजन किया गया आयोजन मे निशुल्क दवा वितरण एवं जाँच कि गई सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा केंद्र सरकार के आवाहन पर यह कार्यक्रम भारत सरकार के द्वारा पांच साल हो गए उसके क्रम जनपद सभी स्वास्थ्य केन्द्रो पर आयोजन किया गया जिससे गरीबो को दवा के आभाव परेशानियों का सामना न करना पड़े और उनका उचित इलाज एवं सस्ती इलाज हो सके। मुख्य विकास अधिकारी जयंन्द्र कुमार ने कहा जो भी लोग जन औषधि केंद्र खोलना चाहते है उन्हें सरकार द्वारा सहयोग दिया जायेगा और जन जन तक पहुंचने हेतु एक सप्ताह के लिए यह जन औषधि दिवस अभियान के रूप मे चलाया जायेगा जिससे अधिक से अधिक लोगो तक जानकारी पहुंच सके।

रूधौली थाने में मनाया गया होली मोहत्सव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। तहसील रूधौली जनपद बस्ती में रूधौली के सामने

शिव मंदिर पर माननिय मंडल अध्यक्ष रुधौली एवम् अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं एवं रुधौली के समस्त जनता गण के साथ होली मिलन समारोह मनाया गया।

मीडिया लोक तंत्र की विश्वास है और पत्रकार उसके प्रहरी– समाज सेवी रामबचन चौरसिया

घघसरा। मीडिया लोकतंत्र की विश्वास है और पत्रकार उसके प्रहरी हैं। वगैर उसके स्वस्थ्य लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है । उक्त बातें समाजसेवी एवं वरिष्ठ बीजेपी कार्यकर्ता रामबचन चौरसिया ने कही । वह होली मिलन समारोह की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से मुखातिब हो रहें थे। उन्होंने कहा कि– पत्रकार ही ऐसा वह वर्ग होता है,जो अपनी जान जोखिम में डालकर आम जनमानस तक सूचनाओं को पहुंचाता है। उन्हीं के द्वारा हमें सभी सूचनाओं का पता चलता है। हमारे आप–पड़ोस क्या चल रहा है । देश किस रास्ते पर जा रहा है । हम देश के लिए क्या कर सकते हैं । इन सबका श्रेय उन्हीं को जाता है। जनता व सरकार के बीच संवाद स्थापित करने वाले पत्रकारों का सम्मान व सुरक्षा हम सभी नागरिकों का दायित्व है। समय समय पर कार्यक्रम आपसी भाई चारे और को बढ़ावा देता है। उक्त अवसर पर सम्मानित पत्रकारो मे नितेश शुक्ला,सुखदेव पांडेय, राघवेंद्र त्रिपाठी, धर्मेंद्र यादव, यादवेंद्र यादव, बेचन शर्मा, आधा राम मिश्रा, शैलेश तिवारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

न्याय एक संकल्प ने वृद्धाश्रम एवं बालगृह आश्रम में मनाया होली का त्यौहार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। वासुदेव पांडेय के विशेष सहयोग एवं नेतृत्व में न्याय एक संकल्प साथियों के साथ कोतवाली जोगिया, नौगढ़ मे और विगत कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी होली में बालगृह आश्रम और वृद्धाश्रम में मिठाई बांटी गई, अबीर, गुलाल लगाकर बधाई दिया। पाण्डेय ने कहा कि त्योहार मनाने में इससे ज्यादा खुशी कहीं नहीं मिलती जब आप उनके साथ होते हो जिनको किसी कारणवश किसी आश्रम का सहारा लेना पड़ता है, पांडे अपने हर अच्छे कार्यों को जरूरतमंद के साथ ही मनाते हैं और बच्चे, बुजुर्ग सभी के साथ खुश हो जाते हैं। इस कार्यक्रम में न्याय एक संकल्प के पदाधिकारियों के साथ ब्रा.महासभा के जिलाध्यक्ष सुधीर पांडेय, जितेंद्र मिश्र, सत्यम शिवम द्विवेदी, अभय, राम स्वरूप पाण्डेय धीरेंद्र, प्रवीण शुक्ल आदि ने मौजूद होकर होली पर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

क्वाटर फाइनल मुकाबले में तीयर खुर्द ने खुर्द भैसही को हरा कर फाइनल में पहुची

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला,गोरखपुर। गोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत लकुड़ी निष्फी

राय में जैकी क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता के तत्वाधान में खेली जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता में क्वाटर फाइनल मुकाबला तियर खुर्द बनाम खुर्द भैसही के बिच खेला गया। जिसमें तियर खुर्द की टीम ने मैच जीत कर फाईनल मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। इस मैच का आरम्भ मुख्य अतिथि वार्ड संख्या 52 के भावी प्रत्याशी भाजपा नेता जिला संयोजक इंद्रसेन राय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कीया। इसके उपरांत टास जितकर बहले बल्लेबाजी करने उतरी तियर खुर्द की टीम ने अपने निर्धारित 8 ओवर में बीना कीसी नूकसान के 134 रन बनाई। इस के जबाब में 235 रन का विजय लक्ष्य लेकर उतरी खुर्द भैसही की टीम ने मात्र 85 रन पर आल आऊट हो गई। इस तरह तियर खुर्द की टीम ने यह मैच जीत कर फाईल मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। इस मैच के मैन ऑफ द मैच छोटू यादव रहे इन्होंने इस मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 60 बनाये और चार विकेट भी चटकाए। इस मैच के स्कोरर सतेन्द्र पासवान, अम्पायर रोहित और सुजीत रहे तथा कमेंट्री पर धीरज पासवान रहे। यहां पर समाज सेवी राम अधीन, सत्यप्रकाश राय, शैलष यादव, सर्वजीत पासवान, विशाल, विष्णु, विकास आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। मैच के अंत में आयोक प्रहलाद पासवान ने सभी आगन्तुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

होली खेलने को लेकर दबंगों ने बच्चे को पीटा

घघसरा । सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम हड़हा ऊर्फ सोनबरसा में मंगलवार की सायं 4.00 बजे होली खेलने को लेकर दबंगों ने बच्चे को पीट दिया । एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार लाया गया, जहां उसका इलाज कर रहे हैं। गांव के स्वर्गीय उदय भान का 13 वर्षीय लड़का बच्चों के साथ होली खेल रहा था। उसी दौरान बच्चों में विवाद व मारपीट हो गई। इसके बाद गांव का एक दबंग युवक बच्चे को बुरी तरह पीट दिया। उक्त संदर्भ में चौकी प्रभारी घघसरा विनय कुमार सिंह ने कहा कि– मामला संज्ञान में आया है, कोई तहरीर नहीं मिली है । तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

जी–20 की मेजबानी करते हुए भारतीय अधिकारियों को जरूर इस बात का अहसास हुआ होगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील का कोई असर नहीं हुआ कि मौजूद देश असहमति को भूल कर सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ें। बल्कि इस दौरान उनकी इस बात की पुष्टि ही हुई कि विश्व संचालन की पुरानी ...

नई दुनिया की हकीकत

जी–20 उस दौर में बना था, जब अमेरिका दुनिया में एकमात्र ध्रुव था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को अपने हितों के मुताबिक संचालित करने में वह सक्षम था। अब बात बदल चुकी है। नई दिल्ली में गुजरे हफ्ते हुई कूटनीतिक घटनाओं ने यह साफ कर दिया कि गुजरे दौर में बने मंच अप्रासंगिक हो रहे हैं। जबकि नए दौर में बने मंचों का प्रभाव बढ़ रहा है। सिर्फ विदेश मंत्रियों की जी–20 और क्वाड की बैठकों पर गौर करें, तो यह जाहिर हो जाता है। जी–20 के मंच पर कोई सार्थक बातचीत नहीं हो पाई। उलटे यह पश्चिमी देशों और रूस–चीन के लिए एक दूसरे को खरी–खोटी सुनाने का मौका बन कर रह गया। जबकि क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (क्वाड) के विदेश मंत्रियों की बैठक में विचारों और मकसद की समानता नजर आई और यह बात उनकी तरफ से जारी साझा बयान में भी झलकी। इस अंतर का कारण यह है कि जी–20 उस दौर में बना था, जब अमेरिका दुनिया में एकमात्र ध्रुव था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को अपने हितों के मुताबिक संचालित करने में वह सक्षम था। जी–20 अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मिल–जुल कर चलाने लिए बनाया गया था। इस अर्थव्यवस्था का स्वरूप पश्चिम प्रेरित भूमंडलीकरण था। वह दौर अब गुजर चुका है। आर्थिक से लेकर कूटनीतिक गुटबंदी तक में अब दुनिया दो भागों में बंट रही है। क्वाड इस बंटती दुनिया में बना मंच है, जिसकी रणनीतिक दिशा स्पष्ट है। यही बात ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे समूहों पर भी लागू होती है। भारत की मुश्किल यह है कि वह इन दोनों ध्रुवों पर अपनी प्रभावशाली भूमिका चाहता है। चूंकि दोनों गुट भारत की अहमियत को समझते हैं, इसलिए अब तक भारत की यह रणनीति कारगर रही है। लेकिन यह भूमिका खरहे के साथ दौडने और शिकारी कुत्ते के साथ मिल कर शिकार करने जैसी है, जिसकी एक सीमा होती है। जी–20 की मेजबानी करते हुए भारतीय अधिकारियों को जरूर इस बात का अहसास हुआ होगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील का कोई असर नहीं हुआ कि मौजूद देश असहमति को भूल कर सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ें। बल्कि इस दौरान उनकी इस बात की पुष्टि ही हुई कि विश्व संचालन की पुरानी संस्थाएं नाकाम हो गई हैं। तो अब यह भारत को तय करना है कि वह दीर्घकालिक लिहाज से किन नई उभर रहीं मंचों के साथ जुड़ेगा।

हर घर में राम ताकि होली खेल सकें रघुबीर अवध में

होली का उत्साह चरम पर है। गली, टोले, मोहल्ले और चौराहों पर बच्चे, किशोर, प्रौढ़ और बुजुर्गों की होली देखते ही बन रही है। तीन वर्षों बाद होली की रंगत के कहने ही कुछ और हैं। गत वर्षों में कोरोना की दस्तक ने होली को फीका कर दिया था। इस बार कामदेव की मार से होली में बुजुर्ग भी युवा बन बैठे हैं और युवतियों में रति का वास है। होली खेले रघुबीरा अवध में, होली खेले रघुबीराय की बजती हुई धुन और मंगल गान से मोहल्लों में होली की रौनक देखते ही बनती है। आप देखिए तो पाएंगे कि अवध क्षेत्र की होली बिना राम के नाम से न तो शुरू ही होती है और न ही बिना राम के परिपूर्ण ही। बल्कि प्रभु श्री राम ऐसे ऐतिहासिक चरित्र हैं जिन्होंने उत्तर भारत में अवध राज्य को पूर्णतः प्रतिष्ठित किया। उधर ब्रज की होली बिना श्री कृष्ण जी की लीला के पूरी नहीं होती। आज बिरज में होरी रे रसिया। ब्रज की लट्ठमार होली पूरे भारत में प्रसिद्ध है। भगवान शिव की नगरी काशी में बिना भंग के होली का नशा परवान नहीं चढ़ता। का गुरु केतना चढ़ाए। भगवान शिव निराले हैं। अपने आज के बनारसी बाबू भी शिवत्व से परिपूर्ण और निराले हैं। कहने का मतलब यह है अवध क्षेत्र में होली भगवान श्री राम के नाम पर, ब्रज क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण के नाम पर और काशी परिक्षेत्र में होली भगवान शिव के नाम पर खेली जाती है। भारतीय इतिहास में काशी, मथुरा और अयोध्या तीनों धाम के रूप में प्रत्येक भारतीयों द्वारा पूजित हैं। अयोध्या, मथुरा और काशी तीनों सांस्कृतिक प्रतीक भी हैं। तथ्य यह भी है कि यहां तीनों परिक्षेत्र में खेली जाने वाली होली में प्रत्येक भू भाग के स्थानीय निवासियों में यहां निवास करने वाले देवताओं का अंश भी होता है। भारत माता के कण कण में स्थानीय देवताओं का वास यहां के प्रत्येक निवासियों की आभा, महिमा और गरिमा में चार चांद लगा देता है तब बच्चा बच्चा राम काय कहलाने लगता है और वह राम लला के भक्त के रूप में प्रभु श्री हनुमान जी महाराज के आशीर्वाद से परम भक्त के रूप में रूपांतरित होकर पूजित हो जाता है। अवध भू क्षेत्र में होली खेले रघुबीरा अवध में, होरी खेले रघुबीरा। ओ केकरे हाथ में ढोलक भल सोहै, केकरे हाथ मंजीरा। राम के हाथ ढोलक भल सोहै, लछिमन हाथे मंजीरा।। ए केकरे हाथ कनक पिचकारी, ए केकरे हाथ अबीरा। ए भरत के हाथ कनक पिचकारी, शत्रुघन हाथे अबीरा।। गाया जाता है। अवध क्षेत्र की परंपरा में व्याप्त इस मंगलगान के द्वारा होली मनाने की संयुक्त परिवार की मर्यादित अवधारणा को पुष्पित पल्लवित किया गया है। आज जब संयुक्त परिवार की अवधारणा खतरे में है और एकाकी परिवार सामाजिक सच के रूप में दृष्टिगत है ऐसे में श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के साथ होली खेलकर हम अपनी संयुक्त परिवार की विस्मृत होती जा रही परंपरा को सशक्त कर सकते हैं। एक गाना और गाया जाता हैय होरी खेलें राम मिथिलापुर मां। आप देखिए कि होली की संस्कृति मिथिलांचल को भी रामत्व से परिपूर्ण कर देती है। एक और गाने को याद कीजिए और रंगोत्सव होली को मनाइए रू आजु अवध के अवध किशोर, सरजू जी के तीरे खेलें होली। रंग पर्व होली की अनंत शुभकामनाएं लीजिए और हृदय और मस्तिष्क में प्रभु श्री राम को बसाइए।

विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

महिला उड़ान को पंख देता डिजीटल क्रांति

इस कैंपेन के जरिए संयुक्त राष्ट्र चाहता है कि महिलाओं को कार्यस्थल और समाज में पुरुषों के जितना ही सम्मान और अवसर दिया जाए क्योंकि आज भी जेंडर असमानता के कारण महिलाओं को कार्यस्थल पर पुरूषों की तुलना में हीन भावना से देखा जाता है। अब वह समय आ गया है, जब महिलायें इस बात को समझें कि वे जब तक अपनी इज्जत नहीं करेंगी, अपनी क्षमता को नहीं ...

डॉ. अमिता

अंतरराट्रीय महिला दिवस का आयोजन देश–दुनिया के बड़े हिस्से में लंबे समय से किया जा रहा है। किंतु, इसे अधिकांश जगहों पर एक दिवसीय उत्सव मात्र समझ कर ही मनाया जाता है। ऐसे उत्सवों में भी महिलाओं को थाली और ट्रे हाथ में थमाकर मुख्य अतिथियों के आतिथ्य में तैनात कर दिया जाता है और पुरूष आराम से दर्शक दीर्घा में बैठकर तालियां बजाते नजर आते हैं। ऐसी कई जेंडर असमानतायें घर की चारदीवारी से लेकर बाहरी दुनिया तक बहुत ही आसानी से देखने को मिल जाती है। जिन महिलाओं को अक्सर घर का वित्तमंत्री कहकर संबोधित किया जाता है, उन्हीं महिलाओं को किसी संस्था अथवा सरकार में तमाम ऐसी जिम्मेदारियों को देने से बचा जाता रहा है। लेकिन इस सरकार ने पहली बार यह सिद्ध कर दिया कि महिलाओं को यदि ऐसी जिम्मेदारियां भी दी जायें तो वे इसका पूरी कुशलता से निर्वहन कर सकती हैं। इसी प्रकार रक्षामंत्री और विदेशमंत्री जैसे प्रभार भी प्रथम बार इसी सरकार में किसी महिला को दी गई। महिलाओं ने प्रारंभ से ही ऐसे कई इतिहास रचे हैं, जो सदैव याद किए जायेंगे और उन्होंने यह इतिहास किसी के खैरात से नहीं बल्कि अपनी योग्यता और क्षमता के बल पर रची है। किंतु, आज भी इनकी योग्यता और क्षमता को निरंतर दरकिनार किया जा रहा है और इसे जेंडर गैप रिपोर्ट से आसानी से समझा जा सकता है।

महिला दिवस महिलाओं के मान–सम्मान और सामाजिक समानता का द्योतक है। यह सदियों से चली आ रही गुलामी से रिहाई का प्रतीक है, जहां महिलाओं को पैर की जूती समझा जाता था। आज देश–दुनिया में शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है, जहां महिलाओं ने अपनी उपस्थिति नहीं दर्ज की है। आकाश से लेकर पाताल तक हर जगह वे अपना परचम लहरा रही हैं। किंतु, आज भी समाज में जेंडर गैप बहुत अधिक है। महिलाओं द्वारा 24ङ्ग7 अनपेड वर्क किए जाने के बावजूद उन्हें घर–बाहर वह सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। रिपोर्ट तो यहां तक बताते हैं कि आज भी कई महिलायें ऐसी हैं, जिन्होंने घर के दहलीज से बाहर कभी कदम ही नहीं रखा। किंतु, पुरूषों के साथ ऐसा किसी समाज में नहीं होता है। महिलाओं को अपने पति, परिवार, बेटे, भाई के लिए ही जीने की सीख हमारी संस्कृति देती रही है, जिसमें औरत अपने बारे में सोचना भूल जाती है। यह जेंडर असमानता ही महिलाओं के जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है।

इस गैप को कम करने के उद्देश्य से ही इस बार का अंतराराष्ट्रीय महिला दिवस का थीम डिजिटलरू लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि तकनीक ने हमें सक्षम बनाया है। जीवन को सरल और सुलभ बनाया है। लेकिन इसने महिलाओं को जो सामर्थ्य दिया है, वह उल्लेखनीय है। हैरानी तो तब हुई जब एक शोध कार्य के दौरान मैंने पाया कि सोशल मीडिया के माध्यम से बस्तर जैसे वनक्षेत्रों में बैठी महिलायें देश के अलग–अलग हिस्सों में व्यापार करने की कोशिश कर रही हैं। वे अपनी शिक्षा और जीवन के स्तर को इंटरनेट के माध्यम से बेहतर बना रही हैं। कुछ समय पहले तक यह किसी सपने से कम नहीं था। यह डिजिटल साक्षरता और नवाचार की संकल्पना से ही साकार हो पाया है।

वर्तमान सरकार ने देश में डिजिटल क्रांति की प्रकिया में जिस प्रकार की तेजी लायी है, वह किसी कल्पना से कम नहीं है। खासतौर, से कोरोना के बाद डिजिटलीकरण में जो तीव्रता आयी है, वह अद्भूत है। इसने न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था को बदला है, बल्कि जेंडर गैप को भी पाटने में अहम् भूमिका निभायी है। डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से अन्वेषण, रोजगार, शिक्षा आदि के क्षेत्रों में अहम् बदलाव देखने को मिला है। साथ ही डिजिटलीकरण और उसके लाभों को निचले स्तर तक ले जाने और पहुंचाने पर जोर दिया है जो मुख्यधारा के समाज से या तो दूर हैं या फिर उन्हें सदियों से दबाया जाता रहा है। इस कड़ी में महिलाओं को हम सबसे पहले देख सकते हैं, जिन्हें आधी आबादी का हिस्सा तो माना जाता है, लेकिन आधिपत्य आज भी पुरूषों का ही है। ऐसे में तकनीक अथवा डिजिटल साक्षरता के माध्यम से महिलायें अपने जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकेंगी।

डिजिटल योजनाएं देश की शिक्षा प्रणाली में भी क्रांति ला रही हैं। श्स्वयंम्य,श्ई–पाठशालाय, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी आदि के माध्यम से महिलायें घर बैठे शिक्षित हो रही हैं। ये डिजीटल पहल उन महिलाओं तक शिक्षा पहुंचा रही है, जो घर से बाहर नहीं जा सकती या फिर दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती हैं। इसके माध्यम से महिला–पुरूष के उस अंतर को पाटा जा रहा है, जो सदियों से व्याप्त रहा है। जिन छोटे–बड़े कामों के लिए महिलाओं की पुरूषों पर निर्भरता होती थी, उसे डिजिटल लिटरेसी और तकनीक ने बहुत ही आसानी से कमोबेश समाप्त कर दिया है। आज दूर–दराज के क्षेत्रों में भी बैठी महिलायें तकनीक के सहयोग से देश–दुनिया में रोजगार कर रही हैं। अपने कौशल से आत्मनिर्भर बन रही हैं। साथ ही सदियों से व्याप्त पुरूषवादी मानसिकता पर भी चोट कर रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ किए गए शनिर्भय ऐप्य और शहिम्मत ऐप्य एप्लीकेशन का इस्तेमाल वे अपनी सुरक्षा के लिए कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्तएम्ब्रेसइक्विटी की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की है जिसका अर्थ है समानता को अपनाना।

पीएम पर टिप्पणी : विचारहीनता का प्रमाण

पवन खेड़ा में उसी व्यवहार में एक निंदनीय अध्याय भर जोड़ा है। जब मोदी का संबंध किसी लड़की के साथ जोडने और साहेब कह कर इसका संदेश देने जैसे निम्न स्तरीय आचरण से गुरेज नहीं हुआ और कभी इसे गलती के रूप में माना नहीं गया तो आगे यह बंद हो जाएगा इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए यह मान कर चलिए कि कांग्रेस के नेता आगे फिर ऐसी टिप्पणियां करेंगे...

अवधेश कुमार

कांग्रेस पार्टी का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और संघ को लेकर आक्रामक होना नई बात नहीं है। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तबसे कांग्रेस का स्वर यही है और संघ के विरुद्ध उसका तेवर पहले से ही है। लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी लगातार क्षीण हो रही हो तो उसे जरा ठहर कर अपने विचार और व्यवहार पर शांति से पुनर्विचार करने की आवश्यकता महसूस होनी चाहिए। रायपुर के महाधिवेशन से भी अगर इसी प्रकार का स्वर निकले तो इसे क्या कहा जाएगा? जिस तरह से राहुल गांधी सहित कांग्रेस के नेता वक्तव्य दे रहे हैं उनका निष्कर्ष यही है कि वा अपने व्यवहार पर पुनर्विचार की आवश्यकता नहीं महसूस करते।

पवन खेड़ा कभी दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के सहयोगी रहे होंगे पर इस समय वे कांग्रेस की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं। उन्हें सोनिया गांधी परिवार का करीबी भी माना जाता है। अगर वे प्रधानमंत्री का नाम लेते समय अपमानजनक लहजे में पिता का नाम लेते हैं और व्यंग्य मुस्कान बिखेरते हैं तो यह सामान्य स्थिति नहीं है। हालांकि असम पुलिस द्वारा उन्हें हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से निचले न्यायालय ने त्वरित जमानत भी दे दी। किंतु इससे प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कांग्रेस के अस्वीकार्य वक्तव्य और इनकी राजनीतिक परिस्थितियों का मुद्दा समाप्त नहीं हो जाता। आप देख लीजिए, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता किस तरह श्मोदी तेरी कब्र खुदेगीय के नारे लगा रहे थे। प्रधानमंत्री ने नेताओं के इस बयान पर मेघालय की चुनाव सभा में प्रतिक्रिया दी और कहा कि विपक्ष के लोग मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, जबकि जनता मुझे समर्थन दे रही है। मोदी विरोधी यह टिप्पणी कर सकते हैं कि प्रधानमंत्री ने जानबूझकर इसे चुनावी मुद्दा बनाने की रणनीति अपनाई। प्रश्न है कि यह अवसर दिया किसने? आप प्रधानमंत्री की कब्र खोदने का नारा लगाएं और वो इसे मुद्दा न बनाएं यह संभव है? इसी तरह पवन खेड़ा के विरुद्ध मुकदमा एवं पुलिस कार्रवाई पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया वही पुरानी है कि लोकतंत्र खत्म कर दिया, मोदी हिटलर का रूप है, फासिस्टवादी है आदि–आदि। हालांकि यह मानने का कोई कारण नहीं है प्रधानमंत्री मोदी के पिताजी का नाम घृणित व अपमानजनक लहजे में लेने पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश और असम में मुकदमा करने तथा पुलिस कार्रवाई का निर्देश दिया होगा। ऐसे मामलों में मुकदमा और पुलिस द्वारा गिरफ्तारी आदि की ओर अग्रसर होना ही नहीं चाहिए। राजनीति में विचार का मुकाबला विचार से। किंतु प्रधानमंत्री के समर्थकों के अंदर इससे गुस्सा पैदा हुआ होगा और प्राथमिकियां दर्ज कर दीं गई। इसमें अस्वाभाविक जैसा कुछ नहीं है। निश्चित रूप से असम सरकार में भी किसी को गुस्सा आया होगा और सबक सिखाने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की। वैसे भी पवन खेड़ा ने पहले दामोदर दास जी की जगह गौतम दास नाम लिया और बाद में फिर कुटिल मुस्कान छेड़ते हुए पूछा कि क्या है दामोदरदास..और सॉरी बोला। पूरा देश समझ रहा था कि वह गौतम अडाणी शब्द का प्रयोग करने की जगह गौतम दास बोले। राजनीति में इससे शर्मनाक पतन का उदाहरण और क्या हो सकता है? भाजपा के देशभर के कार्यकर्ताओं के अंदर आक्रोश पैदा हुआ और वे कांग्रेसियों पर हमला करने लगे तो क्या होगा? इस दृष्टि से देखें तो पुलिस में की गई शिकायत निराधार नहीं लगेगा। इसके पहले प्रधानमंत्री के विरुद्ध कांग्रेस और अन्य विरोधियों की ओर से इतनी गंदी, अपमानजनक और घृणित टिप्पणियां हो चुकी हैं कि विश्लेषण में एक अच्छी–खासी पुस्तक तैयार हो जाएगी। हैरत की बात है कि लगातार इस आचरण से राजनीतिक क्षति उठाते हुए भी कांग्रेस के नेता सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। पिछले गुजरात चुनाव में ही हमने देखा कि रावण, भस्मासुर, मोदी को औकात दिखा देंगे जैसे बयानों ने मतदाताओं में नाराजगी पैदा की और भाजपा रिकॉर्ड मत एवं सीट पाने में सफल रही तथा कांग्रेस ने न्यूनतम मत एवं सीटों का रिकॉर्ड बनाया। पिछले लोक सभा चुनाव में राहुल गांधी द्वारा राफेल मुद्दे पर श्चौकीदार चोर हैय के नारे ने भी ऐसी ही कांग्रेस विरोधी और मोदी के समर्थन में वायुमंडल को घनीभूत किया। आप 2002 से लेकर 2024 तक के अलग–अलग चुनावों में कांग्रेस नेताओं द्वारा व्यक्त शब्दावलियों के प्रभावों का विश्लेषण करें तो निष्कर्ष यही आएगा कि उन्होंने तय कर लिया है कि हम नहीं सुधरेंगे। राहुल ने बार–बार दावा किया कि भाजपा तो नफरत बढ़ती है और हम मोहब्बत बांट रहे हैं। क्या इसे मोहब्बत की भाषा कहेंगे? मोदी पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों से कांग्रेस को कितनी चुनावी क्षति पूर्व में हुई और आगे होगी यह विषय तो महत्त्वपूर्ण है ही किंतु यह इससे आगे का विषय भी है। किसी के पास जब विचार नहीं होते तो वह व्यक्तिगत हमले करता है। राहुल गांधी या कांग्रेस के नेता भले कहें कि वे भाजपा और संघ से वैचारिक लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन उनकी भाषा में वैचारिकता की जगह व्यक्तिगत हमले और उसके लिए भी निम्न स्तर की शब्दावली ही लगातार सामने आई हैं। यह कांग्रेस के भविष्य की दृष्टि से ज्यादा चिंताजनक है। कांग्रेस के नेता यदि पिछले दो दशकों में नरेन्द्र मोदी के प्रति अपने आचरण में बदलाव लाने में सफल नहीं हुए तो न चाहते हुए भी कहना पड़ेगा की पार्टी घोर विचारहीनता या वैचारिक स्तर पर दिशा भ्रम का शिकार हो चुकी है। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में स्वयं राहुल गांधी ने कहा था कि हम प्रधानमंत्री के विरुद्ध निजी टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि प्रधानमंत्री का पद सम्माननीय है। उन्हीं राहुल गांधी ने 2018 से चौकीदार चोर है का नारा लगवाना शुरू कर दिया। साफ है कि कांग्रेस के अंदर संदेश यही था कि राहुल गांधी का वक्तव्य तात्कालिक रणनीति के तहत था मोदी के प्रति हमें अपना रवैया पूर्व की भांति ही बनाए रखनी है। तभी मणिशंकर अय्यर ने उसी चुनाव के बीच कह दिया कि यह नीच किस्म का आदमी है।

महिला प्रीमियर लीग 2023 में हेली मैथ्यूज ने रचा इतिहास, IPL में जो रिकॉर्ड चौथे सीजन में बना उसे लीग के पहले सीजन में बना डाला

मुंबई में महिला प्रीमियर लीग 2023 के पहले संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन जारी है। मुंबई इंडियंस की टीम इस टूर्नामेंट में अपना धमाकेदार प्रदर्शन जारी रखे हुए है। पहले मुकाबले में गुजरात जायंट्स की टीम को 143 रनों से मात देने वाली मुंबई ने अब रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर की टीम को बी नौ विकेट से मात दी है। इस मुकाबले की स्टार खिलाड़ी रहीं कैरेबियाई प्लेयर हेली मैथ्यूज, जिन्होंने बल्लेबाजी के साथ ही गेंद से भी धमाकेदार प्रदर्शन कर खुद को शानदार ऑलराउंडर साबित किया है।

ब्रेबॉर्न स्टेडियमें में रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेले गए मुकाबले में हेली ऑफ स्पिन गेंदबाजी की बदौलत 28 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाने में सफल रही। इसके बाद बैंगलोर से मिले 156 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम के लिए हैली ने बल्ले से भी धमाल मचा दिया। ओपनिंग करने उतरी हैली ने 38 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 77 रन बनाए और मुंबई को नौ विकेट से मैच जिता दिया।

बनाया शानदार रिकॉर्ड

हैली के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ना सिर्फ मुंबई इंडियंस मैच जीती बल्कि टीम के लिए उन्होंने रिकॉर्ड भी बना दिया है। एक मैच में किसी खिलाड़ी द्वारा 75 रन से अधिक बनाने और उसी मैच में तीन विकेट लेने का रिकॉर्ड उन्होंने लीग के पहले ही संस्करण में हासिल कर लिया है। वहीं अगर पुरुष आईपीएल की बात करें तो ये रिकॉर्ड चौथे सीजन में बना था। पुरुष आईपीएल के चौथे सीजन में किंग्ल इलेवन पंजाब के पॉल वल्थाटी ने डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 75 रन बनाए थे और चार विकेट हासिल किए थे। इस उपलब्धि को हासिल करने वालों में क्रिस गेल, शेन वॉटसन और युवराज सिंह भी शामिल है। इस लिस्ट में अब हेली मैथ्यूज का नाम भी जुड़ गया है। मुंबई इंडियंस की सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज का कहना है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी में गहराई होने की वजह से उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में मदद मिल रही है। न्होंने जीत के बाद कहा ,'' हमारी टीम में कई सितारे हैं। इससे मुझे शीर्ष क्रम पर खुलकर खेलने की सहूलियत मिल जाती है।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले कुछ सप्ताह वेस्टइंडीज के लिये खेलते हुए मैने अपनी बल्लेबाजी पर काफी मेहनत की है और बड़े स्कोर बनाये हैं। मैने उसी लय को कायम रखने की कोशिश की। यहां की विकेट दक्षिण अफ्रीका से काफी बेहतर है जिससे बहुत मदद मिली। मेरा आत्मविश्वास भी बढा है।''

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कच्ची सामग्री, बैटरी उत्पादन से चीन पर बढ़ेगी भारत की निर्भरता: जीटीआरआई

नयी दिल्ली। बिजली से चलने वाले वाहनों का भारत में विनिर्माण होने से कच्ची सामग्री, खनिज प्रसंस्करण और बैटरी उत्पादन के लिए देश की निर्भरता चीन पर बढ़ जाएगी। आर्थिक विचार समूह ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। जीटीआरआई ने इस रिपोर्ट में कहा कि बैटरी निर्माण, निस्तारण और चार्जिंग के दौरान प्रदूषक तत्व निकलते हैं। इसके अलावा भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों या ईवी के विनिर्माण में लगने वाली करीब 70 फीसदी सामग्री चीन तथा अन्य देशों से मंगवाई जाती है। इसमें कहा गया, ''ईवी के लिए कच्ची सामग्री, खनिज प्रसंस्करण और बैटरी उत्पादन के मामले में भारत की निर्भरता चीन पर बढ़ जाएगी।''

जीटीआरआई ने कहा कि विश्व स्तर पर बनने वाली हर चार बैटरी में से तीन का निर्माण चीन करता है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका में सबसे बड़ी लिथियम खदानें चीन के अधिकार में हैं। रिपोर्ट में ईवी से संबंधित ऐसे 13 मुद्दों की पहचान की गई है जो उपभोक्ताओं, उद्योग तथा सरकार के हितों से जुड़े हैं और जिनका आकलन करना चाहिए।

जीटीआरआई के सह–संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''लिथियम आयन बैटरी वाले इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर प्रयोग अभी चल ही रहे हैं। हमें रोजगार, प्रदूषण स्तर, आयात और आर्थिक वृद्धि पर इस प्रकार के वाहनों के दीर्घकालिक असर को समझना होगा।

हुंदै ने ग्रामीण बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए आईटीसी से हाथ मिलाया

नयी दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने ग्रामीण बाजारों में अपने ब्रांड की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली आईटीसी के कृषि व्यवसाय खंड के साथ साझेदारी की है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने मंगलवार को बयान में कहा, ''इस साझेदारी के तहत वाहन विनिर्माता कंपनी आईटीसी के व्यापक कृषि और ग्रामीण मंचों पर अपने तमाम मॉडल को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रांड की पहचान बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करेगी। इस आशय के एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दोनों कंपनियों के बीच हस्ताक्षर किए गए हैं। एचएमआईएल ने कहा कि वह ग्रामीण इलाकों में आईटीसी के चौपाल सागर और ई–चौपाल मंचों के साथ सहयोग करेगी। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, ''इस सहयोग का उद्देश्य एचएमआईएल ब्रांड की पहुंच और देश के भीतरी इलाकों में संभावित ग्राहकों के साथ जुड़ाव को मजबूत करना है।'' उन्होंने कहा कि भारत में कुल बाजार के समान ग्रामीण खंड ने भी एचएमआईएल की कुल बिक्री में 47 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। इसमें कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू 24 प्रतिशत के योगदान के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 23 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ मध्यम आकार की एसयूवी क्रेटा का नंबर आता है।

आईटीसी लिमिटेड के कृषि कारोबार खंड के डिविजनल मुख्य कार्यकारी रजनीकांत राय ने कहा कि हुंदै के साथ साझेदारी आईटीसी ई–चौपाल और आईटीसीएमएआरएस पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाकर किसानों की आकांक्षाओं का समर्थन करेगी। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि इस भागीदारी के माध्यम से यह चौपाल सागर– महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में आईटीसी के एकीकृत ग्रामीण सेवा केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को संचालित करेगा।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में 10 पुलिसकर्मियों की मौत

पाकिस्तान के अशांत दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर सवार एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिस के एक ट्रक को सोमवार को टक्कर मार दी, जिसमें 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हाल के महीनों में सुरक्षा बलों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। नवगठित आतंकवादी संगठन तहरीक–ए– जिहाद ने हमले के कुछ घंटे बाद एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली। हमला बलूचिस्तान प्रांत के सिबी जिले में एक पुल पर किया गया। पहले कई मौकों पर बलूचिस्तान स्थित छोटे अलगाववादी समूहों और स्थानीय उग्रवादियों को ऐसे हमलों के लिए दोषी ठहराया गया है। इस्लामिक स्टेट समूह ने भी सोमवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली। समूह की समाचार एजेंसी 'अमाक' द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आईएस आतंकवादी अब्दुल रहमान अल–पाकिस्तानी बम से लदी मोटरसाइकिल चला रहा था जिसमें उसने आग लगा दी और इस हमले में 24 पुलिसकर्मी हताहत हुए। स्थानीय पुलिस के प्रमुख महमूद नोटेंजाई ने बताया कि हमले के समय अधिकारी नियमित गश्त पर थे। उन्होंने बताया कि नौ पुलिसकर्मियों की मौके पर मौत हो गई और एक अन्य कर्मी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि ट्रक पलट गया और कई लोग हताहत हुए। पाकिस्तान में सैन्य कर्मियों को लाने–ले जाने के लिए अकसर ट्रक का इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है। बयान के अनुसार, उन्होंने जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और स्वास्थ्य अधिकारियों को घायल पुलिसकर्मियों को सर्वोत्तम इलाज मुहैया कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह हमला पाकिस्तान को अस्थिर करने की नापाक योजनाओं का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद को हराने का संकल्प किया। बलूचिस्तान में शीर्ष निर्वाचित अधिकारी अब्दुल कुदूस बिजेन्जो ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, '' इस तरह के हमले करने वाले आतंकवादी पाकिस्तान के दुश्मन हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं :हैरिस

मुंबई। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 26 गेंद में 59 रन की आक्रामक पारी खेल चुकी यूपी वारियर्सकी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने कहा कि बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स जैसी मजबूत टीम के खिलाफ वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती है। हैरिस ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' यूपी वारियर्स ने शानदार शुरूआत की है और टीम का मनोबल काफी बढा हुआ है। हम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस लय को कायम रखना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' यह कठिन मैच होगा और सभी टीमें मजबूत हैं लेकिन हम हर तरह की परिस्थिति में अच्छे प्रदर्शन के लिये तैयार हैं। हम अपनी रणनीति पर बखूबी अमल करेंगे।'' पहले मैच के बारे में उन्होंने कहा ,''दूधिया रोशनी में पहला मैच खेलना शानदार रहा। काफी मजा आया।

चीन को नियंत्रित करने के अमेरिकी प्रयास सफल नहीं होंगे : विदेश मंत्री किन गांग

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री किन गांग ने मंगलवार को रूस के साथ करीबी संबंधों का संकेत दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीन को नियंत्रित करने के अमेरिकी प्रयास कभी सफल नहीं हो पाएंगे। चीन की संसद के सत्र के इतर यहां अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में किन ने कहा कि चीन अपने मूल हितों की रक्षा करेगा और आधिपत्य, गुट की राजनीति और एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध करेगा। किन ने कहा कि चीन और रूस ''अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए अच्छा उदाहरण पेश कर रहे हैं'' और उनके करीबी द्विपक्षीय संबंधों को ''शीत युद्ध के नजरिये'' से देखना गलत है। उन्होंने रूस के साथ चीन के संबंधों को ''कोई गठबंधन नहीं, कोई टकराव नहीं और किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं'' के रूप में परिभाषित किया। किन ने चीन–रूस व्यापार में अमेरिकी डॉलर और यूरो का इस्तेमाल नहीं करने के संबंध में सवाल पूछे जाने पर कहा कि चीन ऐसी मुद्रा का उपयोग करेगा, जो ''सुरक्षित और विश्वसनीय'' हो। उन्होंने कहा, ''मुद्रा को एकतरफा प्रतिबंधों के लिए तुरुप के इक्के के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।'' किन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा कि यूक्रेन संकट यूरोपीय सुरक्षा शासन प्रणाली में खामियों का नतीजा है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भारतीय कंपनियों का दबदबा, 43 फीसदी से ज्यादा हुई बाजार हिस्सेदारी : डीजीसीए

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय विमानन सेक्टर में भारतीय वाहकों की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी जारी है। नागर विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2022 तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों द्वारा भारतीय वाहकों की बाजार हिस्सेदारी 43.5 फीसदी थी, जो इसी समय 2019 में 39.2 प्रतिशत थी। ऐसे में आंकड़े साफतौर पर अंतरराष्ट्रीय विमानन सेक्टर में भारतीय कंपनियों के दबदबे को दर्शा रहे हैं। डीजीसीए की अंतिम तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) साल 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकतम यात्रियों को संयुक्त अरब अमीरात (32.9 फीसदी), सिंगापुर (7.9 फीसदी), सऊदी अरब (6.7 फीसदी) और कतर (6.3 फीसदी) से लाया और ले जाया जाता है। यूरोपीय देशों की बात की जाए, तो में हमारे पास अधिक सीटें

यूनाइटेड किंगडम की सबसे ज्यादा यात्रा की जाती है, क्योंकि करीब 4.4 फीसदी अंतरराष्ट्रीय यात्री यूके जाते हैं और वहां से आते हैं। बेलेयर ट्रैवल के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन एस जैन ने बताया कि हवाई यात्रा बाजार में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पहले की तुलना उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि जो टिकट 70,000 रुपए का हुआ करता था वह पिछले कुछ सालों में 4 लाख रुपए तक पहुंच गया था, लेकिन इनकी कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में लोग विदेश यात्रा करने, परिवारों और दोस्तों से मिलने के उत्साहित हैं। एयर इंडिया ने दिया 500 विमानों का ऑर्डरः उन्होंने बताया कि भारतीय एयरलाइंस की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। एयर इंडिया ने अभी 500 विमानों का ऑर्डर दिया है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि हवाई यात्रा बढ़ने वाली है। इसी बीच उन्होंने सरकार के योगदान को भी सराहा। उन्होंने कहा कि सरकार ने छोटे शहरों को हवाई मार्ग से जोड़कर बहुत बड़ा योगदान दिया है। इससे टियर टू और थ्री के शहरों में रहने वाले लोग व्यापार और पढ़ाई इत्यादि के लिए आसानी से यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मैं डीजीसीए द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से पूरी तरह सहमत हूं। भारतीय मध्यम वर्ग अपनी व्यय शक्ति में इजाफा कर रहा है।

जिंदल स्टेनलेस 120 करोड़ रुपये के निवेश से दो 'रूफटॉप' सौर परियोजनाएं लगाएगी

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील विनिर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) अपने जाजपुर और हिसार संयंत्रों में रूफटॉप (छत पर) सौर क्षमता स्थापित करने के लिए 120 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जेएसएल ने मंगलवार को बयान में कहा कि 21 मेगावॉट पीक (एमडब्ल्यूपी) की एक परियोजना जाजपुर में स्थापित की जाएगी। वहीं हिसार में कंपनी की इकाई में छह एमडब्ल्यूपी 'रूफटॉप' सौर क्षमता लगाई जाएगी। इसमें कहा गया है, ''इन दोनों सौर संयंत्रों से 25 साल में 5,64,450 टन कॉर्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ 79.5 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन होगा।'' कंपनी ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं के मार्च, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। कंपनी के इस परियोजनाओं से पैदा बिजली का खुद के लिए (कैप्टिव) इस्तेमाल किया जाएगा। जेएसएल के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, ''यह हमारे शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम कॉर्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए जिम्मेदार कारोबारी व्यवहार को अपनाने को प्रतिबद्ध हैं।

इजराइल ने अलेप्पो हवाई अड्डे पर किया हवाई हमला : सीरिया सरकारी मीडिया

दमिश्क। इजराइल के मंगलवार को तड़के अलेप्पो हवाई अड्डे पर हवाई हमला करने के बाद वहां सेवाएं बाधित हो गई हैं। सीरिया के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इजराइल ने '' लताकिया के पश्चिम में भूमध्य सागर की ओर से अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया।'' 'सना' के अनुसार, हमले में '' हवाई अड्डे को नुकसान पहुंचा है।'' हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इजराइल के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सीरिया के गृह युद्ध की वजह से बुरी तरह तबाह हुए अलेप्पो हवाई अड्डे को पिछले माह, तुर्किए तथा सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप में गहरा नुकसान हुआ था। गत 19 फरवरी को सीरिया की राजधानी दमिश्क के रिहायशी इलाकों पर इजराइल के हवाई हमले में कम से कम पांच लोग मारे गए थे और 15 घायल हो गए थे।

इंडोनेशिया में भूस्खलन के कारण 10 लोगों की मौत, 42 अन्य लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुदूर नतुना क्षेत्र में एक द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण हुए दो भूस्खलन के बाद लापता लोगों की तलाश मंगलवार को भी जारी है। बचावकर्मी लापता 42 लोगों की तलाश में जुटे हैं। आपदा निवारण एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों, पुलिसकर्मियों और स्वयंसेवकों के दल दक्षिण चीन सागर के किनारे नतुना क्षेत्र में समुद्र की ऊंची लहरों से घिरे एक दूरस्थ द्वीप पर जेंटिंग और पंगकलां गांवों में खोज अभियान चला रहे हैं। आसपास की पहाड़ियों से आई कई टन मिट्टी की चपेट में आने वाले 27 मकानों में 42 लोगों के फंसे होने की खबर है। नतुना आपदा एजेंसी ने मंगलवार को सुबह मृतक संख्या 11 से घटाकर 10 कर दी। हालांकि इसके बढ़ने की आशंका बनी हुई है। एजेंसी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भूस्खलन के कारण घायल हुए आठ लोगों में से चार की हालत गंभीर है। भूस्खलन के कारण 1200 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिन्होंने निकासी केंद्रों और अन्य आश्रयों स्थलों में पनाह ली है। राष्ट्रीय आपदा निवारण एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि भूस्खलन के कारण हुए नुकसान और हताहतों की उचित संख्या का अभी पता लगाया जा रहा है।

देवी प्रसाद चौधरी पुनः चुने गए सपा जिलाध्यक्ष, बधाई देने वालों का लगा तांता

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी प्रदेश नेतृत्व द्वारा जनपद इकाई की कमान एक बार पुनरू वर्तमान जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के हाथों में सौंपे जाने को लेकर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है. देवी प्रसाद चौधरी को पुनः जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों में हर्ष देखा जा रहा है. समाजवादी पार्टी की महिला नेत्री महिमा मिश्रा ने पार्टी नेतृत्व द्वारा पुनः देवी प्रसाद चौधरी को जिलाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया है. उन्होंने कहा है कि इससे संगठन को मजबूती मिलने के साथ ही साथ कार्यकर्ताओं को भी कार्य करने में सहूलियत मिलेगी. उन्होंने सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करने के साथ–साथ पार्टी नेतृत्व के प्रति भी आभार जताया है.

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की हुई मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मीरजापुर। जिले के हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। विवाहिता के पिता ने हलिया थाने में तहरीर देकर जान से मारने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। हलिया थाना क्षेत्र के पौड़ी रामपुर गांव निवासी छोटेलाल ने तहरीर देकर बताया कि बेटी पार्वती 30 वर्ष की शादी 12 वर्ष पूर्व बैधा गांव में किया था। जिसे गांव के ही अजय सिंह ने वर्ष 2013 मेंबहला–फुसलाकर भगा कर अपने घर बतौर पत्नी के रूप में रख लिया था और आज रात्रि में बेटी को मार डाला पड़ोसी द्वारा जानकारी मुझे 4 बजे भोर हुई तो मैं डायल 112 पर तथा ग्राम प्रधान को सूचना किया मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई । पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।मृतका को4 बच्चियां हैं एक–दो माह की दूसरी 2 वर्ष तिसरी 3 वर्ष चौथी 6 वर्ष की है। बताया कि बेटी से बराबर लड़ाई झगड़ा करके मारता पीटता था। मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी श्रीकांत प्रजापति तथा सीओ दीक्षांत राज जांच पड़ताल में किया हैं। पुलिस डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी है। इस संबंध में सीओ लालगंज दीक्षांत राज का कहना है कि महिला को गंभीर चोट नहीं दिखाई दे रही है पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामला स्पष्ट हो जाएगा। पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

नई शिक्षा नीति तथा गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर परिचर्चा गोष्ठी आयोजित

मीरजापुर। विकास खंड लालगंज के निजी विद्यालयों के संचालकों ने गुणवत्ता युक्त शिक्षा और नई शिक्षा नीति पर लालगंज में विचार विमर्श किया। कहा कि शिक्षा बचपन और भविष्य की निर्माता है जिसके ज्ञान से संपूर्ण बदलाव आता है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि विकासखंड के प्रत्येक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है क्योंकि नई शिक्षा नीति से नई दिशा मिलेगी। प्रबंधक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा कि विषय वस्तु की अनुकूल सरलतम भाषा में बच्चों को शिक्षित करके प्रतिभा का विकास किया जा सकता है। कोटा शिव प्रताप सिंह स्थित विद्यालय के प्रबंधक ओम पांडे ने कहा कि शिक्षण विधियां नई शिक्षा नीति के अनुकूल उम्र के हिसाब से भाषा और गणित का ज्ञान देकर योग्य विद्यार्थी बनाने का कार्य किया जा सकता है। मां सावित्री बाई फुले के प्रबंधक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में अभिभाको और शिक्षकों के साथ आपसी विचार विमर्श कर शिक्षा को विकसित करने में सहायता मिल सकती है। बाबू महादेव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आरसी मौर्य ने कहा कि बदलते जमाने के हिसाब से भविष्य की चुनौतियां को देखकर शिक्षा दिए जाने की जरूरत है। प्रबंधक सुरेंद्र पांडे ने कहा कि बच्चों का प्रवेश मानक के अनुकूल किया जाए। इस अवसर पर अरूण सिंह, प्रदीप पांडेय,त्राणकर्ता विभिन्न विद्यालयों के संचालक मौजूद रहे।

चौधरी ए की जीत में आशीष का धमाकेदार शतक

प्रयागराज। चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ए ने डॉ रवि वर्मा स्मारक एसीए अंडर–19 लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराकर पूर्ण अंक अर्जित किए है। विजेता टीम के आशीष रत्नम की नाबाद धमाकेदार शतकीय (100 रन, 71 गेंद, 10 चौके, छह छक्के) पारी खेल जीत में अहम भूमिका निभाई है। केपी कॉलेज मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब ने 39.3 ओवर में 175 रन (सचिन ओझा 42, देवांश पाठक 32, सुजल कुमार सोनकर 18, अंकित पांडेय 15 रन, सौरभ शर्मा 3ध्51, गणेश मिश्रा 2ध्11, अपोहन साहू 2ध्33, मनु राजा 2ध्34, विराट जायसवाल 1ध्09) पर बनाए। जवाब में चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ए की टीम ने 24 ओवर में तीन विकेट पर 179 रन (आशीष रत्नम 100 नाबाद, विराट जायसवाल 30, मनु राजा 15 अविजित रन, सुजल कुमार सोनकर 1ध्15, दिव्यांश यादव 1ध्21, अखिल कुमार कश्यप 1ध्30) पर बना लिए। मैच में अखिलेश त्रिपाठी व सुधीर सोनकर ने अंपायरिंग और प्रितेश सोनकर ने स्कोरिंग की।

फाफामऊ को मिले पूर्ण अंक

प्रयागराज। फाफामऊ क्रिकेट क्लब ने कर्नल एमआर शेरवानी स्मारक सीनियर डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज को पांच विकेट से हराकर पूर्ण अंक अर्जित किए है। दौलत हुसैन मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने 34.5 ओवर में 168 रन (मो. अरमान 45, निर्भय सिंह 28, गुलाम अली खान 20, ओसामा बिन वसीम 19, अली जफर 16 रन, अजय यादव 3ध्27, मो. उस्मान 3ध्53, नितिन यादव 2ध्40, अश्विनी दुबे 1ध्10, सुधांशु सोनकर 1ध्32) पर बनाए। जवाब में फाफामऊ क्रिकेट क्लब की टीम ने 25.5 ओवर में पांच विकेट पर 174 रन (गौरव पाठक 67, अतुल पांडेय 41नाबाद, वर्तुल शुक्ला 32 रन, मो.अरमान 4ध्54, हँसम जायसवाल 1ध्25) पर बना लिए। मैच में श्याम यादव व अरुन कुमार बाली ने अंपायरिंग और अंकित पांडेय ने स्कोरिंग की।

स्टेडियम ब्वश्यज ने 2-1 से जीती सीरीज

प्रयागराज(आरएनएस)। स्टेडियम ब्वॉयज ने भवम क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराकर पांच मैच की विनय कुमार क्रिकेट सीरीज पर 2–1 से कब्जा जमाया। ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए अंतिम मैच में भवम क्लब ने 25.3 ओवर में 117 रन (बलजीत सरोज 30, अश्मित सरोज 16, कृष्णा तिवारी 4ध्16, हर्ष जायसवाल 2ध्23) बनाये। जवाब में स्टेडियम ब्वॉयज ने 17.4 ओवर में 3 विकेट पर 118 रन (प्रांजल गुप्ता 44 नाबाद, श्वेत सिंह 32, बलजीत सरोज, कौशल पाल व रोशन कुशवाहा एक–एक विकेट) बना लिए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद अनिल कुमार भारतीय, भाजपा नेता रमेश पासी ने पुरस्कार बांटे। कृष्णा तिवारी को मैन ऑफ दि मैच व मैन ऑफ दि टूर्नामेंट, रोशन कुशवाहा को बेस्ट बैटर, कौशल पाल को बेस्ट बॉलर और अविनाशी त्रिपाठी को बेस्ट फील्डर चुना गया। स्टेडियम के कोच भूपेंद्र नाथ ने धन्यवाद ज्ञापन और श्यामू भारतीय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर प्रताप सिंह चंदेल, दीपक भारतीय, सनी कुमार एव सूरज भारतीय आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने जल मिशन योजनान्तर्ग निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण

'जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से की अपील जल अमूल्य है इसका सही उपयोग करें नल की

मीरजापुर।. जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने आज तहसील चुनार अन्तर्गत जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत निर्माणाधीन गौठौरा एवं धौहा पाइप पेयजल का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम धौहा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियन्ता जल ग्रामीण द्वारा बताया गया कि यह वाटर ट्रीटमेंट प्लांट 50 एमएलडी क्षमता का हैं इससें कुल 214 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति की जायेगी। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के 10 ईकाईयों का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो गया हैं एवं जल शोधान का कार्य किया जा रहा हैं। जिलाधिकारी द्वारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के सभी ईकाईयों का निरीक्षण किया गया तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के बारे में जानकारी ली गयी। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के पश्चात जिलाधिकारी ने इससे आच्छादित गांव धौहा ग्राम पंचायत बहेरी पूरवे तथा बहेरवा ग्राम पंचायत का स्थलीय निरीक्षण किया गया जिसमें निरीक्षण के दौरान पेयजल आपूर्ति होना पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों से वार्ता कर जानकारी ली गयी। ग्रामीण लाभार्थियों के द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि दोनों गांव पहाड़ी क्षेत्र होने कारण काफी समस्याए थी। इस योजना के प्रारम्भ हो जाने से पेयजल हर घर उपलब्ध हो रहा हैं जिससे ग्रामीणों में काफी हर्ष हैं। सम्बन्धित ग्राम प्रधानों से पाइन लाइन बिछाने हेतु तोड़े गये भागों के मरम्मत के सम्बन्ध में वार्ता की गयी। जिसमें ग्राम प्रधान ने पुष्टि की सभी सड़को का मरम्मत कार्य कर लिया गया हैं। धौहा ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि धौहा ग्राम पंचायत में लगभग 686 घर हैं जिसमें बहेरी पूरवे में 219 घर है जिसमें मात्र 07 घरों का कनेक्शन बाकी हैं शेष शीघ्र पूर्ण करा लिया जायेगा एवं बहेरवा ग्राम पंचायत में कुल 243 घर है जिसमें कुल 188 कनेक्शन पूर्ण करा लिया गया हैं शेष कार्य प्रगति पर हैं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण को निर्देशित करते हुये कहा कि एक सप्ताह कनेक्शन पूर्ण कराते कृत कार्यवाही से अवगत करायें। जिलाधिकारी ने बहेरी गांव में स्वयं नल का पानी पीकर गुणवत्ता परखी गयी। जिलाधिकारी निरीक्षण के दौरान ग्राम बहेरी में ग्रामीण पूजा देवी, पप्पू पाल से वार्ता कर पानी के गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली गयी। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार द्वारा चलायी गयी योजना बहुत ही सराहनीय कदम हैं इससे हमारे पानी की समस्या के निजात मिली हैं। जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से कहा कि जल अमूल्य है इसका सही उपयोग करें नल की टोटी को बंद रखे, पानी को बर्बाद होने से बचाये। जिलाधिकारी ग्राम प्रधान बहेरी को अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित निर्देशित किया कैम्प लगाकर छूटे रहें।

देश की आर्थिक संपन्नता का लाभ महिलाओं को कमः डॉ. बड़ोला

प्रयागराज। सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज एंड रूरल डेवलपमेंट, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी ष्डिजिटल ऑलरू लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकीष् नामक विषय पर संपन्न हुई। इस संगोष्ठी में सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर ज्योति वर्मा ने किया। डॉक्टर हेमलता पंत, सचिव, एस बी एस आर डी प्रयागराज ने संस्था और कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। आज की मुख्य वक्ता डॉ रुचि बड़ौला, वैज्ञानिक जी वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून ने अपने व्याख्यान में बताया कि महिलाएं भारत की जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा हैं लेकिन उन्हें अपेक्षाकृत देश की आर्थिक संपन्नता का कम लाभ मिला है। वर्तमान समय में समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। विज्ञान प्रौद्योगिकी से लेकर अंतरिक्ष वाणिज्य व राजनीति हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। हमारी भारतीय महिलाएं प्राचीन काल में भी बहुत आगे व वैज्ञानिक सोच रखती थीं। लीलावती जी का उदाहरण हम सबके सामने है। इसी प्रकार अमृता देवी, गौरा देवी जिस प्रकार वृक्षों को बचाने में अपना योगदान दिया वह अतुलनीय है। नर्मदा बचाओ आंदोलन में मेघा पाटेकर का योगदान क्या हम भूल सकते हैं। बंदना शिवाजी का पर्यावरण विज्ञान में कार्य क्या किसी पुरुष से कम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर कृष्णा मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष की थीम समाज के सभी वर्गों की महिलाओं के विकास हेतु तकनीकी में प्रयोग को बढ़ावा देती है। विश्व के विभिन्न भागों में तकनीक से वंचित महिलाओं को तकनीक व नवाचार के माध्यम से समाज के मुख्यधारा में शामिल करना ही इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में संचालन कुमारी सालेहा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अर्चना उदय सिंह ने दिया। इस कार्यक्रम में डॉ रूचि बडोला, डॉ प्रीती खरे डॉक्टर, दीपा श्रीवास्तव, डॉ आरती गुप्ता, डॉ विनीता जायसवाल, डॉ सुधि श्रीवास्तव, डॉ प्रिया सोनी, डॉ अल्का कटियार, डॉ आशा उपाध्याय, डॉ सौरव , डॉ सरिता देवी, डॉक्टर सरिता त्रिपाठी, डॉ अर्चना यादव, डॉ अनीता सिंह, डॉक्टर निधि शुक्ला, डॉक्टर प्रिया श्रीवास्तव, डॉ शिखा खरे, डॉ अनीता सिंह, डॉक्टर विनी जान, डॉक्टर चंद्रप्रभा सिंह, श्रीमती भावना, प्रीति, प्रियांशु चौबे, श्रीमती वैशाली चतुर्वेदी, श्रीमती दीपिका पाठक, श्रीमती शालिनी फ्रांसिस्का, कुमारी और कुमारी प्रिया एवम् कुमारी अविका भास्कर को उत्कृष्ट कार्यों हेतु नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया।

अतीक गैंग के आर्थिक साम्राज्य को जमीदोज करने की आगे भी होगी कार्यवाही

प्रयागराज। यूपी सरकार ने उमेश पाल हत्याकांड में प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुनौती देने की हिमाकत करने वाले माफियाओं को मिट्टी में मिलाने का जो संकल्प लिया है उससे माफियाओं की आर्थिक रीढ़ टूट गई है। यूपी में योगी सरकार बनने के बाद माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों पर आफत सी आ गई है । ढाई साल में अतीक, उसके करीबियों के 72 से अधिक मकानों को मलबे में तब्दील कर दिया गया । प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अतीक और उसके करीबियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अरविंद चौहान के मुताबिक पीडीए ने सितंबर 2020 से मार्च 2021 तक इस गैंग के 58 अवैध निर्माणों को धराशायी किया और इस माफिया और इससे जुड़े लोगों की 1206 करोड़ से अधिक की आर्थिक चोट पहुंचाई जा चुकी है। इस वारदात में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपराधियों को पनाह देने वाले अतीक के चार गुर्गों की तकरीबन 15 करोड़ की अपराध और गैर कानूनी ढंग से बनाई गई संपत्ति को मिट्टी में मिला दिया गया । सबसे पहले इस केस की आरोपी शाइस्ता को पनाह देने वाले जफर अहमद के दो करोड़ के अवैध बंगले पर बुलडोजर चला और अगले दिन अतीक गैंग को अवैध असलहे और कारतूस सप्लाई करने के आरोपी सफदर की 3 करोड़ की लागत की बहुमंजिला इमारत जमीदोज हुई । बुलडोजर ने अतीक के खास गुर्गे माशूक प्रधान उर्फ मस्कुद्दीन की अपराध से अर्जित 3 करोड़ के आलीशान को जमीदोज कर दिया गया । कौशांबी में अतीक के फरार शूटर कवी के 2 करोड़ के लागत के मकान पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही भी इसी का हिस्सा थी।

पत्रकारों को होली की बधाई, अराजकों की चेतावनी'

बड़हलगंज, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी ने अपने आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता और पत्रकारों के साथ होली मिलन समारोह में कहा कि चिल्लूपार के विकास में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नही किया जायेगा, उन्होंने पूर्व विधायक पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में ठेकेदार, नेता और अराजक तत्वों ने चिल्लूपार को अपनी चारागाह बना लिया था।

जो अब नही होगा, विकास कार्यों में गुणवत्ता गिराने वालों को ब्लैकलिस्ट कर उनका धंधा बन्द करा देंगे। मंगलवार को पत्रकारों मिठाई खिला कर होली की बधाई देने के बाद विधायक श्री त्रिपाठी ने सबको गुलाल लगाया, इस दौरान पत्रकारों ने भी उन्हें गुलाल लगाया और होली की बधाई दी। इसके पूर्व पत्रकार वार्ता के दौरान श्री त्रिपाठी ने क्षेत्र के विकास की योजनाओं पर चर्चा किया और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने जनता से अपील किया कि वह विकासकार्यो की खुद समीक्षा करें और किसी खराब निर्माण या भ्र्ष्टाचार को रोकने के लिये आगे आये। श्री त्रिपाठी ने कहा कि विधानसभा में क्षेत्र की बात रखते हुये उन्होंने धारा 301 और 51 के तहत विभिन्न मुद्दों को उठाया। सरया से आछीदीह बंधा, डेरवा और बल्थर का रिंग बांध बनाने का कार्य और गोला में बेवरी पुल के विलम्बित निर्माण को शुरू कराने, तरैना नाले की खुदाई का कार्य करने और इसे काफी गहरा कर मिट्टी को किनारे रखवाने योजना पर कार्य कर रहे हैं ताकि वह एक सड़क बन जाये।

उन्होंने बताया कि उरुवा में कचना नाले को पाट कर खेत बना लिया है, जिससे बरसात में पूरा उरुवा कस्बा जलमग्न हो जाता है, इसके लिये कचना नाले को अतिक्रमण मुक्त करा कर खुदवाने के साथ तरैना में मिलाया जायेगा और छोटे प्राकृतिक नालों को खोदवा कर बचाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि चिल्लूपार को डूबने से बचाया जा सके। श्री त्रिपाठी ने उपनगर बड़हलगंज में प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यहां नमामि गगे योजना के तहत करीब 100 करोड़ की एसटीपी प्लांट लगाया जाएगा, यह योजना सरकार ने स्वीकृत कर दी है इसमें नगर के सभी नालों को जोड़ कर त्रिस्तरीय स्तर पर पानी साफ कर नदी में छोड़ा जायेगा, जो सरयू के साथ गंगा के निर्मलीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र पाण्डेय, रजनीकान्त मिश्र, शशीमौली त्रिपाठी, बृजनाथ मिश्र, संतोष जायसवाल, विवेक शुक्ला, श्रीकांत शाही, मनोज रॉय, घनश्याम यादव, शिवम त्रिपाठी, अमित सिंह, राजीव जायसवाल, मनोज मिश्र, ज्ञानवेंद्र मिश्र, हरीशचंद्र सोनी, राजू यादव सहित भाजपा नेता महेश उमर, राजीव पाण्डेय, प्रशांत शाही, श्रीकांत सोनी, अष्टभुजा सिंह, पप्पू निषाद, राजेश शाही आदि मौजूद थे।

नगर पंचायत बडहलगंज में कर्मचारियों को किया गया वस्त्र व मिष्ठान वितरण

बड़हलगंज। रंगो के पर्व होली के मद्देनजर नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों व अन्य कर्मचारियों को अधिशासी अधिकारी संजय गुप्ता ने वस्त्र व मिष्ठान का वितरण किया। मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय परिसर में अधिशासी अधिकारी संजय गुप्ता ने समस्त 70 सफाई कर्मियों व अन्य कर्मचारियों में वस्त्र व मिष्ठान का वितरण कर कर्मचारियों को होली पर्व की बधाई देते हुए कहा कि नगर की सफाई व्यवस्था आप सभी के ऊपर ही निर्भर है, आपके सफल मेहनत के वजह से नगर साफ सुथरा बना रहता है। इस दौरान लिपिक सुनील कुमार, गौरव अग्रवाल, रविंद्र, घनश्याम सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे ने दी होली की शुभकामनाएं

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक चन्द्र वीर रमण ने रेल कर्मचारियों, अधिकारियों तथा रेल उपयोगकर्ताओं को होली की बधाईं एवं शुभकामनाएं दी है। महाप्रबन्धक श्री रमण ने जनसामान्य से अपील की है कि ट्रेनों पर गोबर, कीचड़, पत्थर आदि न फेंके। इससे लोको पायलट, गार्ड अथवा यात्री घायल हो सकते है। गाड़ियों एवं रेल परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। उन्होंने यात्रियों से भी अपील की है कि होली के अवसर पर चलायी जा रही होली विषेष गाड़ियों का उपयोग कर अपनी यात्रा को सुखद एवं आरामदेह बनावें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिये पैदल उपरिगामी पुल का उपयोग करें। यात्रा के दौरान विस्फोटक एवं ज्वलनषील पदार्थ लेकर यात्रा न करें तथा किसी भी अपरिचित का दिया हुआ खाद्य पदार्थ स्वीकार न करें। इसमें जहर मिला हो सकता है। यात्रा टिकट सैदव रेलवे काउन्टर, आई.आर.सी.टी.सी. के बेवसाइट अथवा रेलवे के अधिकृत एजेन्ट से ही टिकट प्राप्त करें। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की सहायता के लिये रेलवे हेल्प लाइन नम्बर 139 डायल करें।

फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का दिया भरोसा

बड़हलगंज। होली त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस ने पीएसी बल के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का भरोसे दिया। मंगलवार को कोतवाल जेएन शुक्ल के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने पीएससी के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च करने के बाद बाइक से झुमिला बाजार, भाटपार तक पुलिस बल ने फ्लैग मार्च किया। कोतवाल श्री शुक्ल ने कहा कि होली भाईचारे व शान्ति का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि खुरापाती घर में रहें। सड़क पर हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की नजर है। फ्लैग मार्च में एसएसआई संतोष कुमार सिंह, कस्बा इंचार्ज रविसेन यादव, दरोगा कृष्णकांत यादव, नीलेश राय आदि शामिल रहे।

विषाक्त मिठाई से परिवार का जीवन खतरे में

गोरखपुर। खुशहाली की मिठाई ने पूरे परिवार के जीवन को संकट मे डाल दिया है। इस समय पूरे परिवार के सदस्य इलाज करा रहे हैं।सभी छह लोगो की हालत खराब है।इनमे से दो लोगों को आई सी यू मे रखा गया है। घटना पिपराइच थाना क्षेत्र की है। गोरखपुर में पिपराइच के गोदावरी मैरिज हाल में रविवार की रात बुआ की लड़की की शादी में शामिल सिविल लाइंस प्रथम के वन विभाग कॉलोनी के निवासी बीजेपी महानगर के सहसयोंजक(मीडिया प्रकोष्ठ) संदीप कुमार श्रीवास्तव जी का परिवार भी शामिल हुआ था।विवाह समारोह के दौरान विषाक्त रसमलाई खाने से 100 से ज्यादा लोग विमार पड़ गए।उल्टी दस्त और चक्कर आने लगा। मैरिज हाल से विमारो को जिला अस्पताल एवम् बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। संदीप कुमार श्रीवास्तव जी की माता जी, पिता जी, धर्मपत्नी, पुत्र, संदीप जी की स्वयं एवं ड्राइवर की तबियत भी बिगड़ गया जिनको गोरखपुर में स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज के पास दिव्यमान अस्पताल में एडमिट कराया गया जिनमे माताजी विमला श्रीवास्तव एवम् धर्म पत्नी नेहा श्रीवास्तव की स्तिथि ठीक न होने के कारण आईसीयू में एडमिट किया गया तथा पिता जी देवी प्रसाद श्रीवास्तव, स्वयं संदीप कुमार श्रीवास्तव, पुत्र अंकित श्रीवास्तव एवम् ड्राइवर हादिस अली को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया परंतु माता जी एवम् धर्मपत्नी का इलाज अभी भी दिव्यमान हॉस्पिटल में चल रहा है।

नारी को पुरूष के समानान्तर स्थान प्रदान करना ही महिला दिवस की सार्थकता है : डा रुप

गोरखपुर । अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर आधारशिला परिवार द्वारा चार ऐसी जरुरत मंद नारी शक्तियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अत्यंत ही मुश्किलों का सामना करते हुए अपने परिवार का भरण–पोषण करते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा प्रदान करने का काम किया । नगर के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक एवं आधारशिला परिवार के अध्यक्ष डा रुप कुमार बनर्जी ने गोलघर स्थित संतोष होमियो सेवाधाम में विभिन्न वार्ड के चार महिलाओं जिसमें नौसढ़ से श्रीमती सुनयना देवी ,पादरी बाजार से शिखा देवी , रसूलपुर वार्ड से श्रीमती रुक्मिणी देवी एवं दिव्यनगर से श्रीमती सीमा राय को ष्कुशल गृहलक्ष्मी ष्काध सम्मान देते हुए उन्हें सम्मानित किया । इस अवसर पर डॉ. रुप बनर्जी ने कहा कि नारी शक्ति सदैव से पूज्यनीय और वन्दनीय है ।नारी को पुरूष के समानान्तर अधिकार देना ही महिला दिवस की सार्थकता है । संस्था के संरक्षक वरिष्ठ व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री चन्दर प्रकाश गर्ग ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता और जागरूकता के लिए संस्था सदैव संकल्पबद्ध है । इस अवसर पर सह सचिव अनिता रानी , विष्णी रानी,कोषाध्यक्ष श्रीमती सारिका राय , विरेन्द्र कुमार पाल आदि लोग उपस्थित रहें।

केमिकल रंगों से रहे दूर त्वचा व आंखों का करें बचाव

होली के हुड़दंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार

बृजभूषण तिवारी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। होली के हुड़दंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार है। जिले के 70 अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों व पैरा मेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। दुर्घटना बाहुल्य इलाकों में एंबुलेंस तैनात की गई है।सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने बताया कि होली को लेकर जिला अस्पताल, महिला अस्पताल सहित 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे खुले रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के किए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें पूरी तरह से तैयार हैं। जिला स्तरीय अस्पताल में दस–दस बेड व सीएचसी पर पांच–पांच बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। लोगों से केमिकल वाले रंगों से दूरी बनाने की अपील की जा रही है। होली खेलने से पहले अपने पूरे शरीर पर तेल लगा लें। सरसों के तेल की जगह नारियल का तेल लगाना बेहतर विकल्प है। रंग छुड़ाते समय बहुत अधिक साबुन का इस्तेमाल न करें। इससे त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। रंग छुड़ाते समय मुंह और आंखें बंद रखें। ध्यान रखें कि रंग का पानी कान में न जाए। अगर आपको जलन या धुंधलापन लगे, सांस लेने में दिक्कत हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। एसीएमओ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जय गोविंद का कहना है कि बाजारों में मिलने वाला केमिकलयुक्त रंग आंखों व त्वचा के लिए नुकसानदायक है। प्रयास करें कि हर्बल अबीर व गुलाल से ही होली खेलें। रंग खेलें भी तो आंखों का विशेष ध्यान रखें। आंख में केमिकल वाले रंग पड़ने से एजर्ली, संक्रमण व अल्सर का खतरा बढ़ जाता है। आंख में रंग पड़ने के बाद तुरंत साफ पानी से धोएं। करीबी अस्पताल में जाकर नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. माधुरी त्रिपाठी का कहना है कि होली को लेकर गर्भवती महिलाओं को खास सावधानी बरतनी होगी। होली में प्रयुक्त होने वाले सिंथेटिक रंग गर्भवती व गर्भस्थ शिशु की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बाजार में बिकने वाले सिंथेटिक रंगों में लेड ऑक्साइड, कॉपर सल्फेट तथा पिसा कांच होता है। जिससे नर्वस सिस्टम, किडनी व प्रजनन तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। इससे गर्भपात व बच्चे का वजन कम होने का खतरा रहता है।

सड़क पर खड़े ट्रक में सोता रहा ड्राइवर, बोलेरो लगाकर ट्रक से तेल चोरी कर ले गए चोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। कोतवाली क्षेत्र के कर्नलगंज–परसपुर मार्ग स्थित एम.

बी.एस स्कूल के पास सड़क पर खड़े ट्रक से चोरों द्वारा तेल चुराने का एक मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पीड़ित ट्रक चालक के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जय प्रकाश सिंह निवासी करनैलगंज ग्रामीण (नचनी) थाना कोतवाली करनैलगंज, गोण्डा द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि ट्रक नं० च्ठ 08 क्ळ 1042 को मेरा भतीजा अनिल सिंह निवासी करुवा जब्दा चलाता है। बीती 5ध्6 मार्च की रात्रि में अनिल सिंह ट्रक को एमबीएस कान्वेन्ट स्कूल के पास चाय की दुकान के पास कर्नलगंज–परसपुर मार्ग पर बायें पटरी पर जो ग्राम करुआ में पड़ता है, यहीं खड़ा करके केबिन में सो गया था। इसी बीच अचानक आभास हुआ कि उक्त ट्रक की टंकी के पास खटपट की आवाज हो रही है तो वह अचानक चिल्लाते हुये नीचे उतरा तो देखा कि तीन व्यक्ति ट्रक की टंकी से चोरी से तेल निकाल रहे हैं। जरीकैन में तेल डीजल लेकर मुझे देखते ही तीनों व्यक्ति बगल में खड़ी बोलेरो सफेद रंग की नं0 न्च् 43 ट 9685 पर फुर्ती से डीजल रखकर कर्नलगंज की तरफ भाग गये। दर्ज मुकदमे में बताया गया है कि एक व्यक्ति को वह भली–भांति पहचानता है और उसका नाम वसीम पुत्र फारुख ग्राम भगतपुरवा पहाड़ापुर है, जो उक्त बोलेरो का ड्राइवर है तथा इसके साथ एक और व्यक्ति को भी पहचानने की बात कही गई है। ट्रक से करीब 20 से 25 ली० डीजल चोरी होने की बात कही गई है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होली व शब–ऐ–बारात त्योहार के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शान्ति हेतु पुलिस की पैनी नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने होली व शब–ऐ–बारात त्योहार के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण के साथ की समीक्षा गोष्ठी की गयी। त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद में च।ब् व फत्ज् एवं जनपद के समस्त फोर्स की ड्यूटी चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जनपद में समस्त थाना क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा सहित समस्त क्षेत्राधिकारी/प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष/चौकी प्रभारी द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ लगातार भ्रमणशील रहेंगे। साथ ही सर्वसमुदाय के धर्मगुरुओं से वार्तालाप कर शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की जा रही है। त्योहार में गड़बड़ी करने/अराजकता फैलाने वाले अराजकतत्वों के विरुद्ध कड़े कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन व दिए गए। दिशा–निर्देशों के फलस्वरूप पुलिस सोशल मीडिया सेल द्वारा भी लगातार सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म, जूपजजमत, बिमइववा व व्हाट्सएप ग्रुप पर निरंतर निगरानी की जा रही है। यदि किसी भी प्रकार की कोई अराजकता सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फैलाई जाएगी तो तत्काल कार्यवाही की जाएगी। पुलिस बल द्वारा सजगता व सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर व चप्पे–चप्पे पर सतर्क नजर बनाए रखते हुए जनपद गोंडा में होली व शब–ऐ–बारात त्योहार को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस शांति सद्भाव बनाए रखने के लिए दृड़ संकल्पित है।

- **ड्रोन से भी रखी जा रही चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर**
- **त्योहार में गड़बड़ी करने/ अराजकता फैलाने वाले अराजकतत्वों के विरुद्ध कड़े कार्यवाही करने के दिए निर्देश**

गौरा विधायक ने वैदिक मंत्रोचार के साथ किया सड़क निर्माण का शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर,गोण्डा। विधायक प्रभात कुमार वर्मा अपने गौरा विधानसभा क्षेत्र के रेनुवा से मझवा खघस सम्पर्क मार्ग (लंबाई 7 किमी०) का मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिलान्यास कर निर्माण कार्य शुरू कराया। मुख्य अतिथि के द्वारा अपने सम्बोधन मे कहा कि जब से हमारी राज्य एवं केंद्र सरकार बनी है तब से चहुमुखी विकास बहुत तीव्र गति से हो रहा है। बिजली पानी सड़क स्वास्थ्य शिक्षा मे बेहतर सुधार हुवा है हमारी सरकार सभी लोगो को निःशुल्क राशन वितरण कर सीधे जनता को इसका लाभ मिल रहा है। लोककल्याण कारी योजनाएँ संचालित कर पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिल रहा है। आगे उन्होंने कहा कि इस मार्ग के बनने से क्षेत्रवासियों को आवागमन मे आसानी होगा। इस अवसर पर इंद्र बहादुर वर्मा, शेषधर यादव सेक्टर संयोजक, गोमती यादव प्रधान, रिजवान अहमद प्रधान, पप्पू मौर्य प्रधान, अवधराज पाण्डेय, अनिल राजभर, राम सहाय बाबा, राजेंद्र लाल सहित सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

होलिका दहन का कार्यक्रम सम्पन्न कर जनपदवासियों को होली की दी गयी शुभकामनाँए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा पुलिस लाइन के प्रागंण मे होलिका दहन के अवसर पर स्वयं उपस्थित होकर होलिका दहन का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा वहां पर उपस्थित समस्त जनों एवं पुलिस कर्मियों को होली की शुभकामनायें दी गयी साथ ही साथ जनपद में होलिक दहन के दृष्टिगत सभी प्रमुख होलिका दहन स्थलों पर पुलिस बल द्वारा मौजूद रह कर सतर्क दृष्टि रखते हुए होलिका दहन का कार्य सकुशल सम्पन्न हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन, प्रतिसार निरीक्षक सहित समस्त पुलिसकर्मी एवं पुलिस परिवार उपस्थित रहे।

कंट्रोल रूम में की गयी तैनाती

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने अवगत कराया है कि 07 एवं 08 मार्च को होली कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट में कर्मचारियों की तैनाती की गयी है। 07 एवं 08 मार्च को सुबह 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कंरजाकला बी0सी0पी0एम0 फतेह मोहम्मद खॉ मो0नं0 8354020174, दोपहर 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक।

पीपल के पेड़ में करंट उतरने से एक किसान की हुई दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। पीपल के पेड़ में करंट उतरने से एक किसान की

दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते किसान की मौत हुई है। गोंडा जिले के गांव अहियाचेत के मजरा पूरे निधि से जुड़ा है। यहां के निवासी कल्लू सिंह सुबह अपनी भैंस पेड़ के नीचे बांधने गए थे। इसी पेड़ के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरती है। पेड़ की टहनियां हाई टेंशन लाइन को छू रही हैं। जिससे आए दिन पेड़ पर करंट उतारता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसकी शिकायत विद्युत सब स्टेशन से लेकर पावर कारपोरेशन के बड़े अधिकारियों तक किया गया। लेकिन विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे आज एक किसान की तड़प तड़प कर मृत्यु हो गई। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पल भर में एक हंसता खेलता परिवार तबाह हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष कौड़िया ने बताया करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

डीजल और पेट्रोल चोरी करने वाले 3 गिरफ्तार, 90 लीटर डीजल 40 ली पेट्रोल बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। डीजल पेट्रोल चोरी करने वालो के विरुद्ध चलाये गए अभियान में दो थानों से तीन अभियुक्तो को गिरफ्तार कर 90 लीटर डीजल 40 लीटर पेट्रोल बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अपराधियो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश के क्रम में थाना को0 नगर पुलिस ने मु0अ0स0–207ध2023 धारा 379, 411 भादवि से सम्बन्धित डीजल चोर गिरोह के 01 सदस्य सानू सिंह को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 60 ली0 डीजल, 40 लीटर पेट्रोल, 04 अदद प्लास्टिक के खाली डिब्बे, एक अदद डीजल निकालने का पाइप, व घटना में प्रयुक्त 01 अदद वाहन न्च् 51 ।ज् 2968 महिन्द्रा जीटो बरामद किया गया। वहीं थाना कर्नैलगंज पुलिस ने मु0अ0स0–117ध2023 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित डीजल चोरी गिरोह के दो अभियुक्त वशीम व अब्दुल रहीम उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 ली0 चोरी का डीजल, घटना में प्रयुक्त 01 अदद वाहन वोलेरो, 12 अदद 30–30 ली0 के खाली जरिकैन बरामद किया गया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

चेहरे पर लगाएं संतरे के ये फेस पैक, त्वचा संबंधित समस्याएं होंगी दूर

संतरे में आवश्यक विटामिन और खनिजों के साथ–साथ एंटी–ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है, जो त्वचा की देखभाल करने में काफी मदद कर सकते हैं। अगर आप संतरे के फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं, तो ये त्वचा को हाइड्रेट करने और मुलायम बनाने वाले एजेंट के रूप में कार्य करते हैं। आइए, आज हम आपको 5 संतरे के फेस पैक बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा की समस्याओं से छुटकारा दिलाने में प्रभावी हो सकता है।

संतरे और पपीते का फेस पैक

सबसे पहले 1 कटोरी में आधे संतरे का गूदा और थोड़ा पका पपीता चम्मच से मैश करें और इसे अपनी उंगलियों या ब्रश से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक काले घेरे को हल्का करने के साथ चेहरे पर चमक ला सकता है।

संतरे और केले का फेस पैकः इसके लिए 1 केले और 1 संतरे के गूदे को मिलाकर को इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर चेहरे को गर्म पानी से धो लें और इसे तौलिए से सुखाकर इस पर मॉइस्चराइजर लगा लें। इस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक चेहरे की सूजन को कम करने और मुंहासों को दूर करने में मदद कर सकता है।

संतरे और नीम का फेस पैकः सबसे पहले एक कटोरी में संतरे के गूदे और नीम के पत्तों का पेस्ट बराबर मात्रा में मिलाएं, फिर इसमें 1 बड़ी चम्मच सोया दूध मिलाकर इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धीरे–धीरे ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। इस पैक को आप हफ्ते में 3–4 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक त्वचा के सीबम उत्पादन को नियंत्रित करके तरोताजा रखने में मदद कर सकता है।

बेसन और संतरे का फेस पैकः इसके लिए 1 कटोरी में 1 बड़ी चम्मच बेसन पाउडर और 2 बड़ी चम्मच संतरे का रस मिलाकर दानेदार पेस्ट बना लें, फिर इसे चेहरे पर लगाएं और एक बार जब यह सूख जाए, तो चेहरे को रुई से पोंछकर साफ कर लें। इस फेस पैक को हफ्ते में 2 बार लगाएं। यह फेस पैक चेहरे के पीएच स्तर का संतुलन बनाए रखते हुए चेहरे को साफ करता है। यह त्वचा की पिगमेंटेशन को भी कम कर सकता है।

ग्रीन टी और संतरे का फेस पैकः सबसे पहले एक कटोरी में ग्रीन टी की पत्तियां और संतरे का गूदा मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं, फिर जब फेस पैक सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार इस्तेमाल कर सकते हैं। यह फेस पैक त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और चेहरे से अतिरिक्त तेल को हटाने में भी मदद कर सकता है।

फाइटर के लिए काम कर रहे ऋतिक रोशन ने वीडियो साझा कर अपने ट्रेनर को कहा धन्यवाद

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने अपने ट्रेनर के लिए एक नोट के साथ अपने वर्कआउट से एक वीडियो साझा किया है और कहा है कि वह इस समय संतुष्ट और ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जहां वह जिम में हाथ की कुछ एक्सरसाइज कर रहे हैं।

उनके ट्रेनर को यह कहते हुए सुना जा सकता है, आपको यह हरि मिल गया। चलो, चलते हैं, ड्राइव करते हैं।ऋतिक ने लिखा, मेरे दोस्त और ट्रेनर क्रिस गेथिन यूएस टॉम में अपने घर वापस जा रहे हैं। हमारे दूसरे चरण को पूरा करने के लिए अभी भी 10 सप्ताह का समय बचा है और 6 महीने की कड़ी मेहनत पहले से ही पीछे है, मैं नहीं कर सकता था। मैं इस क्षण की तुलना में इस प्रक्रिया से अधिक संतुष्ट, अधिक आवेशित, अधिक प्रेरित हूं। उस प्रक्रिया का मांसपेशियों से बहुत कम और दिल और दिमाग से अधिक लेना–देना है और इसके लिए, मैं आपको क्रिस का धन्यवाद नहीं दे सकता। अपने काम के प्रति ईमानदारी और ज्ञान के लिए धन्यवाद। दुनिया को तुम्हारे जैसे और पुरुषों की जरूरत है।सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि क्या मैं आपके साथ परिवर्तनों के लिए अधिक काम करना पसंद करता हूं या इस उम्मीद में है कि उस जुनून और ऊर्जा का थोड़ा सा हिस्सा मुझ पर है। मेरे दोस्त अच्छे रहो।फाइटर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर भी हैं।

होली में इन पकवानों से करें मेहमानों को इंप्रेस, इनके बिना अधूरा है होली का मजा

होली रंग–उमंग और भाईचारे का त्योहार है। साथ ही इस दिन घरों में स्वादिष्ट पकवान भी बनते हैं। वहीं कुछ पकवानों के बिना होली का मजा अधूरा रहता है। पारंपरिक पकवानों को खाने के लिए साल भर इंतजार किया जाता है। ऐसे में कुछ लोग बाजार से कई पकवान लाते हैं। लेकिन घर के पकवानों और बाजार के पकवानों के स्वाद में काफी अंतर होता है। ऐसे में आप भी होली के त्योहार में इन पकवानों को बनाना न भूलें। साथ ही इन पकवानों को मेहमानों के सामने भी परोसा जाता है। आइए इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं कि आप होली में पारंपरिक पकवानों के अलावा और क्या बना सकती हैं।

1. दही वड़ाः उत्तर प्रदेश, बिहार व अन्य राज्यों में गुजिया के अलावा होली के त्योहार में दही वड़े बनाने का रिवाज है। दही वड़ा उड़द दाल को पीसकर बनाया जाता है। इसमें काली मिर्च नमक और इलायची भी डाली जाती है। वड़ा को डार्क भूरा होने तक भूनने के बाद इसे दही में भिगोया जाता है। वहीं इसके स्वाद को बढ़ाने के लिए इस पर खट्टी–मीठी चटनी भी डाली जाती है। जिससे कि इसका पारंपरिक स्वाद बना रहे। ऐसे में आप भी इस बार होली पर दही वड़ा बना सकती हैं।

2. ठंडाईः होली का त्योहार बिना ठंडाई के अधूरा माना जाता है। इस दिन ठंडाई लोगों के उत्साह और उमंग को दोगुना कर देती है। वहीं कई जगहों पर ठंडाई का प्रसाद भी मिलता है। साथ ही गांव में आपको हर चौराहे पर होली के दिन ठंडाई की दुकान मिल जाएगी। आपको बता दें कि होली के दिन वाराणसी की ठंडाई की मांग काफी बढ़ जाती है। क्योंकि यहां की ठंडाई में भी आपको बनारसी स्वाद मिलता है। ऐसे में आप भी होली के मौके पर ठंडाई पीने का मजा लेना न भूलें।

3. आलू के गुटकेः जिस तरह से उत्तर प्रदेश में होली के दिन पर गुजिया जरूर बनाई जाती है। क्योंकि यह होली के पारंपरिक पकवानों में से एक हैं। ठीक उसी तरह उत्तराखंड में होली के दिन आलू के चटपटे गुटके जरूर बनाए जाते हैं। होली पर मेहमानों के आगे यह सर्व भी किया जाता है। कहीं–कहीं पर आलू के गुटकों को भांग की चटनी के साथ सर्व किया जाता है।

मथुरा–वृंदावन की होली में सराबोर होने देश–विदेश से आते हैं लोग, सप्ताह भर पहले से शुरू हो जाता है उत्सव

ब्रज की होली पूरे विश्व में फेमस है। यह त्योहार देश के हर हिस्से में मनाया जाता है। ब्रज में होली का आयोजन विशेष तरीके से किया जाता है। आपको बता दें कि मथुरा–वृंदावन की होली को देखने न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। यहां पर मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदेगाव में अलग–अलग तरह से होली का त्योहार मनाया जाता है। वहीं भगवान श्री कृष्ण का यह जन्मस्थान होने के कारण यहां के प्रति लोगों की आस्था और अधिक बढ़ जाती है। हर स्थान पर विशेष होली मनाने के पीछे कुछ न कुछ कहानियां और मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। आइए जानते हैं कि मथुरा–वृंदावन में होली में क्या विशेष किया जाता है। मथुरा की होलीः मथुरा भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान है। वहीं वृंदावन में भगवान श्री कृष्ण बड़े हुए थे। मान्यता है कि जब श्री कृष्ण युवा हुए तो उन्होंने अपनी मां को राधारानी के गोरे होने के बारे में बताया था। क्योंकि भगवान श्री कष्ण का रंग श्याम वर्ण यानि की सांवला था। इस पर मां यशोदा ने कृष्ण से राधा को रंग देने के लिए कहा। जिस पर कृष्ण अपने ग्वाल–बालों के साथ राधा और उनकी सखियों को रंगने के लिए बरसाना पहुंचे थे। तभी से यहां पर होली मनाने की परंपरा शुरू हुई। बरसाना की लठ्ठ मार होलीः बरसाना में एक हफ्ते पहले से ही होली का उत्सव शुरू हो जाता है। वहीं बरसाना की लठ्ठ मार होली बहुत फेमस है। बता दें कि बरसाना मथुरा के पास स्थित है। यहां पर होली के दौरान महिलाएं डंडे से पुरुषों को पीटती हैं। मान्यता है कि जब भगवान श्री कृष्ण राधा और उनकी सखियों को रंग लगाने बरसाना आए थे तो राधा रानी और उनकी सखियों ने डंडे से श्री कृष्ण और ग्वालों को खुद से दूर किया था। तब से लेकर आज तक यह परंपरा ऐसे ही चली आ रही है। नंदगांव की होली : धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने नंदगांव में अपने बचपन का सबसे अधिक समय बिताया था। बरसाना में लठ्ठ मार होली खेलने के बाद यहां पर होली का उत्सव मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान श्री कृष्ण राधारानी को रंगने बरसाना गए थे तो इसके अगले दिन राधारानी और उनकी सखियां कृष्ण को रंग लगाने नंदगांव गई थी। इसीलिए यहां पर बरसाना में होली मनाए जाने के अगले दिन होली मनाई जाती है। वृंदावन की होलीः वृंदावन में स्थित बांके–बिहारी मंदिर में सप्ताह भर होली का उत्सव मनाया जाता है। होली के इन दिनों में बांके बिहारी को सफेद रंग के वस्त्र पहनाए जाते हैं। वृंदावन की होली में रंगीन पानी और गुलाल के साथ खेली जाती है। इसके अलावा यहां पर फूलों वाली होली काफी ज्यादा फेमस है। इस दौरान वृंदावन पहुंचने वाले श्रद्धालु फूलों की होली खेलते हैं। वहीं मंदिर के गोस्वामी सभी पर रंग छिड़कते हैं। इसके बाद मंदिर में संगीत यानि की भजन पर लोग नाचते हुए होली खेलते हैं।

होली खेलते समय इन कपड़ों का गलती से भी न करें चुनाव, नहीं तो पड़ जाएगा रंग में भंग

इस साल होली का त्योहार 7 मार्च और 8 मार्च को मनाया जा रहा है। 7 मार्च को होलिका दहन और 8 मार्च को रंग खेला जाएगा। वहीं बाजारों में भी इसकी धूम दिखाई देने लगी है। भारत में होली का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। कई जगह पर अबीर–गुलाल और रंगो से होली खेली जाती है तो कई जगह पर फूलों की होली खेली जाती है। वहीं लोग पक्के रंगों से अपने दोस्तों को रंगने के लिए काफी उत्साहित रहते हैं। लेकिन इन रंगों से पहेल आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होता है। वहीं होली खेलने के दौरान किस तरह के कपड़े पहनने चाहिए इस पर भी खास ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी रंग खेलने के लिए अगर गलत कपड़ों का चुनाव करते हैं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि होली खेलने के दौरान किस तरह के कपड़े आपके रंग को भंग कर सकते हैं। इसलिए इन कपड़ों को पहनने से बचना चाहिए। काफी पुराने कपड़ों को करें इग्नोरः होली खेलने के दौरान लोग पुराने कपड़े पहनते हैं। लेकिन कपड़ों का चुनाव करते समय आपको यह जरूर ध्यान में रखना चाहिए कि जो कपड़ा आप पहन रहे हैं। वह ज्यादा पुराना न हो। क्योंकि ज्यादा पुराने कपड़े कमजोर होते हैं और इन पर रंग पड़ने के बाद यह फट भी सकते हैं। कई बार इनकी सिलाई भी खुल जाती है। ऐसे में यदि होली खेलने के दौरान ऐसा कोई वाकया होता है तो आपको लोगों के सामने शर्मिंदगी झेलनी पड़ सकती हैं। इसलिए ज्यादा पुराने कपड़ों को इग्नोर करना अच्छा रहता है। पारदर्शी कपड़ों को कहें नाः होली में सूखा और गीला रंग दोनों लगाया जाता है। ऐसे में आप पारदर्शी कपड़े पहनकर लोगों के सामने शर्मिंदा हो सकती हैं। क्योंकि पानी वाली होली खेलने के दौरान हल्के फैब्रिक वाले कपड़े आपके शरीर पर चिपकने लगते हैं। जो आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। जिससे आप होली की मस्ती को इंज्वॉय नहीं कर पाएंगी। इसलिए होली में हल्के कपड़े पहनने की गलती नहीं करनी चाहिए। एकदम टाइट कपड़ेः आजकल के दौर में हर कोई फिटिंग के कपड़े पहनना पसंद करता है। लेकिन अगर आप होली खेलते समय भी ऐसे कपड़ों का चुनाव करने जा रही हैं तो आपको सतर्क रहने की जरूरत हैं। क्योंकि बेहद टाइट कपड़ों पर पानी पड़ने के बाद ये आपके लुक को खराब कर सकते हैं। वहीं ज्यादा टाइट और चिपकने के कारण आपको एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए टाइट कपड़ों का चुनाव करने से बचना चाहिए। न पहनें साड़ीः किसी भी कार्यक्रम के लिए साड़ी बेस्ट विकल्प होता है। लेकिन होली खेलने के दौरान साड़ी पहनने की गलती नहीं करनी चाहिए। क्योंकि पानी पड़ने से साड़ी आपके शरीर पर चिपकने लगती है। जिसके चलते आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही यह भीगने के कारण आपको अनकंफर्टेबल भी फील करवा सकती हैं। इसलिए रंग खेलते समय साड़ी को इग्नोर करना चाहिए।